04 - भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

05 - हंसने का भी विज्ञान है जो कहता है हंसते-हंसते कट जाए रस्ते

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 02 मई, 2024

06- हरदौली जलावर्धन योजना बनी बंटाधार योजना

07- मजदूर विरोधी सरकार को पराजित करने का आह्वान

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 196 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

नरेंद्र मोदी का 'लाभार्थी क्लास' क्या जीत की 'गारंटी' दिला पाएगा ?

पायल भुयन और सेराज अली

युवा, ग़रीब, महिला और किसान... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन चारों को देश की सबसे बड़ी जाति और स्तम्भ बता चुके हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के घोषणापत्र पर भी इन चारों के सशक्तीकरण पर ख़ासा जोर था। पिछले कुछ सालों में युवा, ग़रीब, महिला और किसान को ध्यान में रखते हुए की तरह की योजनाओं लाई गईं और एक ऐसा 'क्लास' तैयार हुआ है, जिसे 'लाभार्थी क्लास' कहा जा सकता है। ये 'लाभार्थी क्लास' जाति, धर्म और लिंग के दायरे से अलग सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से तैयार हुआ है। ऐसे में आख़िर सरकारी योजनाओं के ये लाभार्थी कौन हैं? क्या सोचकर वोट करते हैं?

बीबीसी ने यही जानने के लिए दो राज्यों झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ लाभार्थियों से बात की तथा चुनाव विश्लेषकों से भी उनका नजरिया जाना है। ये हैं झारखंड के गोड्डा जिले में रहने वाली फुदिया देवी, काजोरी और उत्तर प्रदेश के बांदा की रहने वाली सुकुरतिन प्रजापति।

सुकुरतिन प्रजापति पहले मजदूरी करती थीं फिर गांव के एक स्कूल में खाना बनाने लगीं। उनके पति की मौत हो चुकी है। उनके छह बच्चे हैं। वो कहती हैं कि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। सुकुरतिन के पास स्मार्ट कार्ड और आयुष्मान कार्ड भी है।

सरकारी योजनाओं का लाभ झारखंड की फुदिया देवी को भी मिला है। वो सरकारी योजनाओं से खुश नज़र आती हैं। लेकिन झारखंड की ही रहने वाली काजोरी देवी कहती हैं कि किसी योजना से उन्हें कुछ नहीं मिला।

इन महिलाओं की कहानी में एक बुनियादी फर्क है। सुकुरतिन प्रजापति उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जो बीजेपी शासित राज्य है जबकि फुदिया देवी और काजोरी झारखंड की रहने वाली है जो ग़ैर बीजेपी शासित राज्य है।

लाभार्थी योजनाओं के आंकड़ों पर नज़र डाले तो पाते हैं कि मोदी सरकार की कई योजनाएं ग़ैर-बीजेपी शासित राज्यों ने नहीं अपनाई। मसलन आयुष्मान योजना। कई योजनाएं ग़ैर बीजेपी शासित राज्य अपने यहां दूसरे नाम से पहले से ही चला रहे हैं और मानते हैं कि उनकी योजनाएं केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं से बेहतर हैं। कई ग़ैर बीजेपी शासित राज्यों पर आरोप भी लगाते हैं कि मोदी सरकार केंद्रीय योजनाओं के लिए उचित फ़ंड नहीं देती है।

आईआईटी दिल्ली में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर रितिका खेड़ा आंकड़ों के आधार पर वो कहती हैं कि बीजेपी ने यूपीए सरकार के मुक़ाबले लाभार्थी योजनाओं पर पूरी जीडीपी का कम हिस्सा ख़र्च किया है। लाभार्थी योजनाओं पर सरकार के ख़र्चे की बात करें तो यूपीए-1 में इसमें काफी बढ़त देखने को मिलती है, उसके बाद से लेकर वो आज तक घटता ही जा रहा है। अगर हम जीडीपी के प्रतिशत में ख़र्च को मापें तो कोविड के पहले साल में मोदी सरकार ने जीडीपी का तीन प्रतिशत लाभार्थी योजनाओं पर ख़र्च किया था, वो एक अपवाद है।

'लाभार्थी क्लास' के बारे में चर्चा अभी क्यों? इस पर सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के राहुल वर्मा कहते हैं, 'पहला बदलाव तो ये है कि पिछले दस सालों में टेक्नोलॉजी की वजह से योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना ज़्यादा आसान हो गया है। दूसरा कि अब आप सीधे पैसे भेज सकते हैं उससे भ्रष्टाचार कम हुआ है। तीसरा, टेक्नोलॉजी ने मार्केट करने का भी ज़्यादा स्कोप दिया है।' भारत के जाने माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर भारत के नए 'लाभार्थी क्लास' को योजनाओं के नामकरण की स्टाइल से भी जोड़ते हैं। वो कहते हैं, 'कई सारी स्कीमें जो सरकार के अलग-अलग विभाग अलग-अलग नामों से चलाते थे। उनकी रीपैकेजिंग करके या कुछ नई योजनाएं भी शुरू की गई है। इनका सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। क्योंकि ये सीधे प्रधानमंत्री की ओर से चलाई जा रही हैं। यही वजह है कि हर स्कीम का नाम है, प्रधानमंत्री रोजगार योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आदि।'

'झारखंड के कांग्रेस के विधायक और कृषि मंत्री बादल पत्रलेख मानते है कि योजनाएं उनके पास भी थीं, लेकिन मोदी सरकार ने अलग नैरेटिव ही सेट किया। पहले एक रुपया किलो अनाज मिलता था, अब आप उसे फ़्री दे रहे हैं।'

मुफ़्त राशन लाभार्थी योजना को मोदी सरकार ने कोविड महामारी के समय जून 2020 में शुरू किया गया था जो अब दिसंबर 2028 तक चलेगी। मोदी सरकार का दावा है कि अकेले मुफ़्त राशन योजना का लाभ आने वाले पांच सालों में तकरीबन 80 करोड़ लोगों को मिलेगा। पीएम आवास योजना (ग्रामीण) का मक़सद है ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को आवास दिलवाना।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक़, सरकार द्वारा कुल 2,94,77835 (करीब तीन करोड़) घर स्वीकृत किए गए थे। उनमें से 2,59,58739 (करीब दो करोड़ साठ लाख) पूरे हो चुके हैं।

साल 2016 में शुरू हुई उज्ज्वला योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में एलपीजी सिलिंडर देने की शुरुआत हुई, भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर, 2023 तक 9.67 करोड़ एलपीजी सिलिंडर लोगों को दिए गए।

पीएम किसान योजना के माध्यम से सरकार किसानों को प्रति वर्ष 6000 रुपये तक देती है।

साल 2018-2019 में जब यह योजना शुरू हुई तीन करोड़ से अधिक लोगों तक पहुँची और इसके बाद यह संख्या बढ़ती गई। लाभार्थी योजनाओं की ज़मीनी हक़ीक़त को लेकर विपक्षी पार्टियां सवाल उठाती रही हैं। विश्लेषकों की एक राय के मुताबिक, भारत की चुनावी राजनीति की एक सच्चाई ये भी है कि जाति और वर्ग की लड़ाई को इन योजनाओं ने धुंधला कर दिया है। लेकिन इसके बाद भी पार्टी की उम्मीदवारों की सूची जाति और वर्ग के समीकरण से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है? सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज़ (सीएसडीएस) के संजय कुमार कहते हैं, 'चुनाव में टिकट देने की जो सबसे अहम मापदंड है, वो है कि उम्मीदवार में चुनाव जीतने की क्षमता होनी चाहिए। जाति की इसमें अहम भूमिका होती है, इसमें पैसों और संसाधनों का भी अपना महत्व होता है।'

'सवाल ये भी उठता है कि क्या योजनाओं के लाभार्थियों को मोदी सरकार वोट बैंक में तब्दील कर पा रही है। सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज़ ने लोकसभा चुनाव से पहले एक सर्वे किया। इस सर्वे से पता चलता है कि बीजेपी को इस बार 40 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है और गरीब और निम्न वर्ग के बीच उनका सपोर्ट 39-39 फ़ीसदी है। 2019 की बात करें तो पहले अमीरों और मध्यम वर्ग में उनका जनाधार कहीं ज़्यादा था और गरीबों से अंतर बहुत ज़्यादा होता था। लाभार्थी क्लास ने ये अंतर पाट दिया है।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

छात्रावास में आठ साल की मासूम से दुष्कर्म

मुख्यमंत्री ने एसआईटी गठित कर जांच करने के निर्देश दिए

● जांच करने पहुंची पुलिस, करणी सेना ने स्कूल के सामने किया प्रदर्शन ● पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी आरोपित का पता नहीं चल पाया है ● बच्ची की मां ने पुलिस को तीन आरोपितों के नाम बताए हैं

भोपाल (नप्र)। राजधानी स्थित मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित एक निजी स्कूल के छात्रावास में आठ वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी

आरोपित का पता नहीं चल पाया है। बच्ची की मां ने पुलिस को तीन आरोपितों के नाम बताए हैं। बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एसआईटी गठित कर जांच करने के निर्देश दिए हैं। बाल आयोग ने भोपाल पुलिस को नोटिस जारी किया है। बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में जांच करने के लिए पुलिस घटनास्थल पर जांच करने के लिए पहुंची। बच्ची कहां रहती थी, किस स्थान पर खाना खाया गया था। जांच टीम के साथ में डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और दो थानों का पुलिस बल साथ है। पीड़िता और उनकी मां को भी लाया जा रहा है।

करणी सेना ने स्कूल के बाहर किया प्रदर्शन

आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने करणी सेना ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। सीएम के निर्देश के बाद एसआईटी बनी है। एसआईटी में मिसरोद संभाग के एसीपी डॉ. रजनीश कश्यप, मिसरोद टीआई मनीष भदौरिया और एसआई श्वेता शर्मा शामिल की गई है। एसआईटी ने अरेरा हिल्स थाने के एसआई प्रकाश राजपूत की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। बच्ची की मां का आरोप है कि एसआइ ने उनको शिकायत करने से रोका था। प्रकाश राजपूत स्कूल संचालक का पहचान का है। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि मामले में आरोपित अभी भी अज्ञात है, बच्ची का दोबारा से चिकित्सा परीक्षण कराया जा रहा है।

- **10 दिन पहले पढ़ने के लिए स्कूल में कराया था भर्ती-** मिसरोद थाना पुलिस के मुताबिक, आठ वर्षीय बच्ची को उसकी मां ने करीब 10 दिन पहले पढ़ने के लिए स्कूल में भर्ती कराया था। स्कूल के छात्रावास में उसके रहने का इंतजाम किया गया था।
- **बच्ची को लेकर पुलिस थाने पहुंची मां-** सोमवार रात बच्ची ने मां को घटना की जानकारी दी तो वह रात में ही बच्ची को लेकर थाने पहुंच गई और मामले की शिकायत की। इस पर पुलिस ने तत्काल महिला उपनिरीक्षक के साथ बच्ची को अस्पताल भेजा, लेकिन बच्ची की मां ने रात में चिकित्सा परीक्षण कराने से मना कर दिया।

चिकित्सा परीक्षण में घटना की पुष्टि हुई

मंगलवार को चिकित्सा परीक्षण में घटना की पुष्टि हुई। इस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपित पर दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपित की पहचान के लिए बुधवार से स्कूल के संचालक समेत अन्य कर्मचारियों से पूछताछ करेगी।

सागर में सीएम यादव बोले-

ये झूठ की दुकान, संविधान की पॉकेट कॉपी लेकर आ गए, राहुल गांधी को कहा पप्पू

सागर/बीना (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पप्पू कहा है। उन्होंने कहा कि वे संविधान की पॉकेट कॉपी लेकर आ गए और बीजेपी पर संविधान खत्म करने के आरोप लगाने लगे। लेकिन कांग्रेस ने करीब 100 बार संविधान संशोधन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को सागर लोकसभा क्षेत्र के बीना और मालथौन पहुंचे। दोनों ही जगहों पर उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी डॉ. लता वानखेड़े के समर्थन में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। साथ ही 5 मई को लाड़ली बहना के पैसे खाते में आने की बात कही।

सीएम ने राहुल गांधी को कहा झूठ की दुकान

बीना में सीएम ने कहा- कल मध्यप्रदेश की धरती पर पप्पू जी आए थे। यह पप्पू क्या है, झूठ की दुकान है, झूठ की मशीन है। वे ऐसा बोलते हैं उनको खुद ही पता नहीं होता कि क्या बोल रहे हैं। जनता तो सब समझती है। उन्होंने जनसभा में संविधान की कॉपी दिखाई। बीजेपी पर आरोप लगाए कि वह संविधान को बदल देंगे। लेकिन वह भूल गए कि डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर ने जिस संविधान की कॉपी पर हस्ताक्षर किए वह और है... और यह दूसरी पॉकेट कॉपी लाए। सीएम ने कहा कि संविधान में संशोधन कांग्रेस की सरकार लाई। नेहरू जी ने संविधान में 17 बार संशोधन किया, लाल बहादुर शास्त्री ने 3 बार संशोधन किया, इंदिरा गांधी ने 29 संशोधन किया, राजीव गांधी ने 10 बार संविधान में संशोधन किया, कांग्रेस ने लगातार 100 बार संशोधन किया और यह दूसरों पर आरोप लगा रहे इन्हें ऐसा कहने वालों को डूब मरना चाहिए। बीना में सीएम डॉ. मोहन यादव ने जनसभा को संबोधित किया। वे सागर से लोकसभा कैंडिडेट लता वानखेड़े के समर्थन में चुनावी सभा करने पहुंचे थे।

तुम दिखने लायक नहीं हो तो तुम्हें क्यों दिखाएं

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वे मीडिया पर आरोप लगाते हैं कि मोदी जी को ही दिखाते हैं। अरे तुम दिखने लायक हो ही नहीं, काहे को दिखाएं, पहले दिखने लायक तो बनना पड़ेगा, आप जो बोलोगे तो उसकी सच्चाई तो होना चाहिए।

सुप्रभात

बड़ी बदसूरत होती है, रोती हुई प्रेमिकायें
जो एक कोने में चुपचाप छुपकर रोकर,
अपने प्रेम के वियोग को उतारती
क्यों प्रेमियों से पूछ, खुद को संवारती
जब बेनाम रिश्तों में बंधी हुई उम्मीदें
बेरोज़गारी में प्रेमियों को समझाती
सफल हो जाने पर, चरित्रहीन कहला
प्रेम में दुत्कारी और नाकारी जाती
यदि उत्तम चरितार्थ है हर युगपुरुष,
फिर मीरा-राधा-सीता-अहिल्या ही
क्यों हरबार उपेक्षित-लांछित होती।
समय की परिधियों में बहुतेरे होंगे
प्रश्न तुम्हारे, निशब्द होंगे उत्तर मेरे।
रुष्टा-दुष्टा और त्रिया उपनाम होंगे मेरे
अपूर्ण प्रेम को संपूर्ण मानने भी की कुबुद्धि
स्वयं को दोष, छल को निर्दोष मानने की।

- अनू प्रिया

टूट रहे सारे रिकॉर्ड

घर से निकलना होगा मुश्किल

पारा 47 के पार, डरा रही है आईएमडी की भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अप्रैल के महीने में इस बार कई राज्यों में ऐसी गर्मी पड़ी जिसके बाद कई वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में औसत तापमान 51 वर्षों में अप्रैल महीने में सबसे अधिक रहा। पिछले कुछ दिनों में भारत के तीन बड़े शहरों - बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में गर्मी के रिकॉर्ड टूट गए। पूरे दक्षिण में अप्रैल महीने के दौरान लगभग 37.2 डिग्री सेल्सियस का औसत अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। यह भी एक रिकॉर्ड है। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि बेंगलुरु में अप्रैल महीने में अब तक की सबसे अधिक गर्मी पड़ी। अप्रैल महीने की आखिरी तारीख को पहली बार मंगलवार पारा 47 डिग्री के पार चला गया। बंगाल के कलाईकुंडा में तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 10.4 डिग्री अधिक था, और झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा कलाईकुंडा, पानागढ़ (बंगाल) और बालासोर (ओडिशा) में तापमान सामान्य से 10 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। आईएमडी के डेटा से पता चलता है कि मध्य भारत के अंतर्गत आने वाले ओडिशा लगातार 16 दिनों से लू की चपेट में है। राज्य में सबसे लंबे समय तक लू चलने का रिकॉर्ड 26 दिनों का है, जो 1998 में दर्ज किया गया था। पूर्वी भारत में अप्रैल में मौसम में आए बदलाव के कारण भीषण गर्मी पड़ रही है। बंगाल, झारखंड

और बिहार में भीषण गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को कोलकाता (दमदम) में 43 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो अप्रैल में सबसे अधिक तापमान था।

केरल में हीटस्ट्रोक से 4 मौतें, हाल हो रहा बेहाल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केरल में तेज गर्मी और हीटस्ट्रोक के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है। केरल की हेल्थ मिनिस्टर ने स्थिति को लेकर हाईलेवल मीटिंग बुलाई है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा में मंगलवार को तापमान 47.2 डिग्री दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 10.4 डिग्री ज्यादा था। गुजरात के अलावा इन सभी राज्यों में मई के पूरे महीने में हीटवेव का असर देखने को मिलेगा। हालांकि, मध्य प्रदेश में लू से काफी हद तक राहत रहेगी। तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, असम और त्रिपुरा में उमस भरी गर्मी का भी अनुमान जताया गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश का अनुमान है।

शाह बोले-

कांग्रेस को सिर्फ वोट बैंक से मतलब

● कोरबा में कहा-रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दुत्कार दिया, इनका एक मंत्र बार-बार झूठ बोलो

कोरबा (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के कोरबा में हुई जनसभा में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी है। उसे सिर्फ मॉइनोरिटी से मतलब है। उन्हें रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन उन्होंने दुत्कार दिया। शाह ने कहा कि कांग्रेस का सिर्फ एक ही मंत्र है, झूठ बोलो, बार- बार बोलो। अब कहती है कि मोदी जी प्रधानमंत्री बनेंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे। 10 साल पूर्ण बहुमत की सरकार थी, खत्म की धारा-370, आतंकवाद और नक्सलवाद। जब तक भाजपा का एक भी सांसद है आरक्षण खत्म नहीं होने देगा। कोरबा लोकसभा की 8 विधानसभा सीटों में से 6 पर बीजेपी के विधायक हैं। मनेंद्रगढ़, भरतपुर-सोनहत, बैकुंठपुर, मरवाही में बीजेपी का कब्जा होने के बाद भी यहां के कार्यकर्ता बिखरे हुए हैं। वहीं, रामपुर और पाली-तानाखार में बीजेपी की स्थिति पहले से ही कमजोर है। मोदी जी ने कई महत्वपूर्ण फैसले किए। आप बताओ कश्मीर हमारा है या नहीं है। खड़गे जी कहते हैं कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ वालों को कश्मीर से क्या लेना-देना है खड़गे साहब आप 80 पार कर गए, लेकिन देश को

नहीं जान पाए। कोरबा का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए जान देने को तैयार है। आप बताएं धारा 370 हटानी चाहिए थी या नहीं। कांग्रेस 70 साल से इसे बच्चे की तरह गोदी में खिलाती रही। 70 सालों बाद आप देश का तिरंगा वहां लहराता है। जब संसद में मैं 370 हटाने का बिल लेकर खड़ा हुआ तो राहुल बाबा कहते हैं कि मत हटाओ खून की नदियां बह जाएंगी। 4 साल हो गए, किसी की पत्थर भी चलाने की हिम्मत नहीं हुई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 02 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

दिग्विजय सिंह के लिए राजगढ़ में आम आदमी पार्टी ने भी लगाया दम

भोपाल (नप्र)। राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबला रोचक हो गया है। यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है। इसमें दिग्विजय को आम आदमी पार्टी का साथ भी मिल रहा है। चाचौड़ा में विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी रहीं पूर्व विधायक ममता मीणा ने मोर्चा संभाला है तो सामाजिक संगठनों के माध्यम से भी समीकरण साधे जा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पूर्व विधायक ममता मीणा का टिकट काट दिया था। वह आम आदमी पार्टी में शामिल हुई और चाचौड़ा से चुनाव लड़ा। उनका मुकाबला भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस से था।

रतलाम में नदी पर निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज पर क्रेन टूटी, दो लोग घायल

रतलाम (नप्र)। रतलाम में नामली-जावरा के बीच हल्दूनी गांव में मलेनी नदी पर निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज पर क्रेन टूट गई। क्रेन टूटने से गर्डर गिर गई। इसमें दो लोग घायल हो गए। घायलों के नाम आशीष (40) और प्रशांत शेखर (29) है। इनमें से गंभीर रूप से घायल आशीष को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

विद्युत संबंधी शिकायतों का उपाय एप पर समाधान

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपाय एप पर विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि आंधी, तूफान एवं अन्य कारणों से होने वाले विद्युत व्यवधान के निराकरण के लिए उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और अपनी शिकायत का त्वरित समाधान कराएं। कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस एप को निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करने के साथ ही शिकायत की स्थिति भी जान सकते हैं।

मूसेवाला मर्डर के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ की हो गई मौत

दावा-गैंगस्टर को अमेरिका में गोलियां मारी गईं, डल्ला-लखबीर ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की अमेरिका में मौत हो गई। एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने दावा किया कि

अमेरिका के फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में मंगलवार (30 अप्रैल) शाम 5.25 बजे गोल्डी बराड़ को गोलियां मारी गईं। गोल्डी बराड़ अपने एक साथी के साथ घर के बाहर गली में खड़ा था। इसी दौरान कुछ बदमाश आए और गोलियां मारकर भाग गए। एक चैनल को अमेरिकी पुलिस अधिकारी लैसली विलियम्स ने बताया कि 2 व्यक्तियों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया था, जिसमें से एक की मौत हो चुकी है। बराड़ के विरोधी गैंगस्टर अर्श डल्ला और लखबीर ने गोल्डी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। दोनों ने दावा किया है कि गोल्डी पर उन्होंने दुश्मनी के चलते गोलियां चलवाई हैं। फिलहाल लॉरेंस या अन्य किसी भी गैंगस्टर की इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गोल्डी बराड़ पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला है। उसका जन्म साल 1994 में हुआ, माता पिता ने सतविंदर सिंह नाम रखा था। पिता पुलिस में सब इंस्पेक्टर थे। बेटे को भी पढ़ा लिखा कर काबिल बनना चाहते थे, लेकिन गोल्डी डॉन बन गया।

दिल्ली-एनसीआर के 100 स्कूलों में बम होने की धमकी

- रूस के सर्वर से भेजा गया ई-मेल; बम स्क्वॉड-पुलिस टीमें पहुंचीं, स्कूलों को खाली कराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार की सुबह दिल्ली-नोएडा के स्कूलों के लिए अच्छी नहीं रही। स्कूलों में बच्चों तथा टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ के पहुंचने से पहले किसी ने ईमेल भेजकर कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। इससे हर तरफ दहशत वाली स्थिति बन गई। मैनेजमेंट ने इसकी सूचना पुलिस-प्रशासन को दी तो कुछ देर में पुलिस और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और गहन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि स्कूलों को धमकी भरा ईमेल रूस से भेजा गया है। दूसरी तरफ जिन स्कूलों को बम की धमकी भरा मेल मिला है, उसमें खौफनाक बातें लिखी हुई हैं। मेल भेजने वाले ने लिखा है, हमारे दिल में जिहाद की आग है। हमारे हाथों में जो लोहा है वह हमारे दिलों को गले लगाता है।

सलमान के घर फायरिंग केस के आरोपी ने की आत्महत्या

6 दिन से मुंबई क्राइम ब्रांच की कस्टडी में था, चादर से फांसी लगाई

मुंबई (एजेंसी)। सलमान खान के घर पर फायरिंग करने वालों को हथियार देने के आरोपी अनुज थापन ने मुंबई पुलिस की कस्टडी में बुधवार को आत्महत्या कर ली।

आरोपी ने मुंबई पुलिस हेडक्वार्टर के टॉयलेट में चादर से फांसी लगाई। पुलिस को 11 बजे सुबह फांसी की जानकारी मिली। हालांकि आरोपी अनुज के सुसाइड के समय की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उसको बेहद गंभीर हालत में सुबह पहले नजदीकी जीटी हॉस्पिटल ले जाया गया था। उस अस्पताल के डॉक्टर्स ने अनुज को सीएसएमटी स्थित सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल रेफर कर किया था, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी अनुज थापन के सुसाइड की जांच राज्य की एसआईटी को सौंपी गई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने फायरिंग केस में 25 अप्रैल को अनुज (32) और सुभाष चंदर (37) को पंजाब से हिरासत में लिया था। दोनों ने इस घटना के लिए हथियार मुहैया कराए थे। दोनों आरोपी पंजाब के अबोहर के रहने वाले हैं। आत्महत्या करने वाला अनुज ट्रक हेल्पर था। वहीं दूसरा आरोपी सुभाष किसान है। दोनों आरोपियों पर पंजाब और हरियाणा में कई केस दर्ज हैं। दोनों कई सालों से लॉरेंस बिश्नोई के साथ मिलकर काम कर रहे थे। अनुज और सुभाष ने 15 मार्च को पनवेल में सागर पाल और विक्की गुप्ता नाम के लड़कों को दो पिस्टल डिलीवर की थीं।

हिमाचल में कांग्रेस कैंडीडेट के खिलाफ धरती पुत्र का नारा

- परमार बोले-17 विधानसभा में नहीं मिला कोई नेता

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की कांगड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस हाईकमान ने बीजेपी के ब्राह्मण प्रत्याशी का तोड़ आनंद शर्मा को मैदान में उतारकर निकाला है। कांगड़ा संसदीय हलके से कांग्रेस ने शिमला से संबंध रखने वाले आनंद शर्मा को प्रत्याशी बनाया है, जबकि बीजेपी ने लोकल नेता राजीव भारद्वाज को टिकट दे रखा है। अब दो ब्राह्मण नेताओं में टक्कर है। यह पता चार जून को चलेगा कि कांगड़ा के लोकल ब्राह्मण नेता का पलड़ा भारी रहता है या फिर आनंद शर्मा को जनता लोकसभा में भेजती है।

कांग्रेस-भाजपा नेताओं की माने तो कांगड़ा में लगभग 24 प्रतिशत ब्राह्मण वोट है। इस पर सेंध लगाने के लिए बीजेपी के बाद कांग्रेस ने भी ब्राह्मण नेता पर दांव चला है। हालांकि पूर्व में कांग्रेस कांगड़ा से सीटिंग एमएलए आरएस बाली को चुनाव मैदान में उतारना चाह रही थी। मगर वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं थे। आरएस बाली ने कांग्रेस हाईकमान को भी एक भी पत्र भेजा था, जिसमें कहा गया कि सर्वे में उनका नाम आगे बताया जा रहा है। वह विधायक के तौर पर नगरोटा बगवां की जनता की सेवा करना चाहते हैं। यदि उन्हें टिकट दिया गया तो उनकी भी राय ली जाए। आरएस बाली को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी मनाने की कोशिश की।

10 साल से शासन, अब कैसे हिंदू खतरे में आ गए

- टीएमसी नेता कीर्ति आजाद ने बीजेपी पर साधा बड़ा निशाना
- बीजेपी नेता दिलीप घोष के सामने लड़ रहे हैं कीर्ति आजाद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार और पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी कीर्ति आजाद ने बीजेपी के हिंदू राष्ट्रवाद के मुद्दे पर कहा कि अगर बीजेपी दस साल से सत्ता में होने के बावजूद कहती है कि हिंदू खतरे में हैं तो इससे पार्टी की सत्ता में वापसी की आवश्यकता के बारे में संदेह होता है। बीजेपी से सांसद रह चुके कीर्ति आजाद इस बार पश्चिम बंगाल की बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार हैं। पूर्व सांसद ने यह भी कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा चुनावों को सांप्रदायिक रंग देने की एक चाल है क्योंकि जनता के सामने पेश करने के लिए बीजेपी के पास जनता के सामने रखने के लिए कोई दमदार रिपोर्ट कार्ड नहीं है। आजाद ने बीजेपी ने पर निशाना साधते हुए कहा कि मुगल शासन के दौरान, हिंदू खतरे में नहीं थे। ब्रिटिश शासन के दौरान वे संकट में नहीं थे।

यूपी की चुनावी रेस में जीत की राह नहीं आसान

मिशन लोकसभा

- कहीं बेटा, कहीं बेटी, कहीं पिता मांग रहे अपनों के लिए वोट
- 2024 की लड़ाई अब धीरे-धीरे कांटे की होती जा रही है

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 की लड़ाई अब धीरे-धीरे कांटे की होती जा रही है। दो चरणों की वोटिंग पूरी होने के बाद अब राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारक नेता तीसरे चरण समेत अन्य चरणों के चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। लोकसभा का चुनाव 7 चरणों में होना है। वहीं इस चुनाव में लड़ रहे उम्मीदवारों के परिवार वाले भी खूब पसीना बहा रहे हैं। चुनावी रण में उतरे योद्धा अपने पक्ष में वोटों की अपील करने में दिन रात जुटे हुए हैं। इतना ही नहीं, उम्मीदवारों के परिवार वाले भी पूरे दमखम से

चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। लखनऊ से लेकर मैनपुरी, बदायूं, गाजीपुर तक ऐसी तस्वीरें सामने आ रही है। दरअसल इंडिया गठबंधन होने के बाद से हर सीट पर करो या मरो जैसी स्थिति बनी हुई है। प्राण-प्रतिष्ठा के समय जो हवा बीजेपी के पक्ष में दौड़ पड़ी थी उसकी स्पीड तेज धूप में धीमी पड़ने लगी है। दो चरणों के अनुमान ने इंडिया गठबंधन में जोश भर दिया है। उधर बीजेपी को भी अब एहसास हो गया है कि इस बार हवा काम नहीं आने वाली है। यही वजह है कि उम्मीदवारों के साथ साथ उनके परिवार वालों ने भी पूरी ताकत झोंक दी है।

जांच रिपोर्ट

कोचिंग में पढ़ने वाले गिरोह ने देशभर में करवाई नकल

- शेखावाटी की गैंग ने कंप्यूटर लैब में बैठकर खुद दिया पेपर, परीक्षा सेंटर पर इंस्टॉल किया ऐप

कोटा (एजेंसी)। कोस्ट गार्ड एनरोल्ड पर्सनल टेस्ट का पेपर लीक और सॉल्व करवाने वाले गिरोह से पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मंगलवार को पकड़े गए सभी 6 युवक खुद शेखावाटी (झुंझुनूं) के कोचिंग में पढ़ते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इस गैंग ने कंप्यूटर लैब में बैठकर पेपर सॉल्व किए। इसके लिए इन्होंने परीक्षा सेंटर के सभी कंप्यूटरों में एक खास ऐप इंस्टॉल किया, ताकि कंप्यूटर को रिमोट (कहीं से भी संबंधित कंप्यूटर को ऑपरेट किया जा सकता है) पर लिया जा सके। जांच अधिकारी एडिशनल एसपी महिला अपराध अनुसंधान प्रकोष्ठ नियति शर्मा ने बताया- स्टूडेंट को झांसे में लेकर पेपर सॉल्व करवाने की एवज में 15 लाख रुपए में डील की थी। इसके लिए प्री-प्लान तरीके से कोटा आकर आईटी पार्क स्थित राजीव गांधी कंप्यूटर साक्षरता मिशन की लैब को किराए पर लिया था। मामले में लैब संचालक की भूमिका भी संदिग्ध है।

संकट मोचन संगीत समारोह

जब तक संकट मोचन बुलाते रहेंगे, मैं हाजिरी लगाता रहूंगा

राजेन्द्र शर्मा

लेखक कवि और कलाविद् होने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश सरकार में राजपत्रित अधिकारी।

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वें आयोजन की विधिवत घोषणा रविवार 21 अप्रैल 2024 को संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र ने हमेशा की तरह प्रेस वार्ता में करते हुए 27 अप्रैल से मई 2024 तक के कार्यक्रम की सारिणी वितरित की। यह सारिणी सोशल मीडिया के जरिये तुरंत ही देश भर के संगीत रसिकों द्वारा पहुंच गयी। 27 अप्रैल से दो मई 2024 तक के कार्यक्रम की विधिवत सूचना पाकर श्रोताओं सुरों की गंगा में गोते लगाने के लिए वाराणसी पहुंचने की तैयारी में जुटे थे कि एकाएक उनके ध्यान में आया कि बीते 49 साल से बांसुरी सम्राट हरि प्रसाद चौरसिया का नाम सारिणी में नहीं है अपितु एक मई 2024 को आयोजित पांचवी निशा में उनके भतीजे बांसुरी वादक राकेश चौरसिया का नाम है।

एक सौ एक वें आयोजन में हरि प्रसाद चौरसिया की अनुपस्थिति की सूचना श्रोताओं को खल रही थी परन्तु संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र की प्रतिबद्धता से भिज्ञ श्रोताओं ने इसे नयी पीढ़ी को विरासत सौंपने जैसा मानकर अपनी भावनाओं को काबू करने का प्रयास किया। श्रोताओं ने तो जैसे-तैसे अपनी भावनाओं पर काबू कर लिया पर एक जुलाई 1938 को इलाहाबाद में जन्मे 85 वर्षीय बांसुरी सम्राट हरि प्रसाद चौरसिया अपनी भावनाओं पर काबू पाने में असमर्थ थे। अपने 85 वर्ष के जीवन में वह 49 साल से अनवरत संकट मोचन संगीत समारोह में अपनी हाजिरी लगा रहे थे। असमंजस्य की हालत में वह संकट मोचन को याद कर अर्ज लगाते रहे मेरे प्रभु क्या मुझसे अंजाने में ही कोई गलती हो गयी। इसी पेशापेश में हरि प्रसाद चौरसिया दो तीन दिन खोये रहे।

उधर संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ वे आयोजन में हरि प्रसाद चौरसिया का वितरित की गयी कार्यक्रम सारिणी में नाम न होने की वजह मानवीय थी। पिछले साल शताब्दी समारोह में पांचवी निशा में हरि प्रसाद चौरसिया की प्रस्तुति सबसे पहले रखी गयी जिसके पीछे विचार यह था कि हरिप्रसाद चौरसिया जी की प्रस्तुति शाम साढ़े सात बजे से हो जायेंगी तो वह मंदिर के अतिथि गृह में समय से सो सकेगें परन्तु प्रस्तुति से लगभग आधे घंटे पहले चौरसिया जी ग्रीन रुम पहुंचे तो उनकी हालत ठीक नहीं थी । मुंह से आवाज तक नहीं निकल

रही थी। ग्रीन रुम में मौजूद लोग आशंकित थे कि आज की प्रस्तुति कैसे होगी। इन पंक्तियों का लेखक और मेरे मित्र डॉ. प्रकाश चंद गिरि चौरसिया जी के चरण स्पर्श करने जैसे तैसे ग्रीन रुम में पहुंचे तो हम दोनों भी स्तब्ध रह गये। चौरसिया जी ने हाथ हिलाकर हम दोनों को आशीर्वाद दिया परन्तु एक शब्द भी उनसे बोला नहीं जा रहा था ।

उस दिन की प्रस्तुति के लिए उनके शिष्य विवेक सोनार,शिष्या वैष्णवी को संगत करनी थी परन्तु चौरसिया जी की हालत देखकर वह भी आशंका से घिरे थे। इसी ऊहापोह में चौरसिया जी ने मंच पर ने चलने के लिए हाथ से इशारा किया। संचालक हरे राम जी ने कार्यक्रम प्रारम्भ करने की घोषणा की और व्हील चेयर से चौरसिया जी को मंच तक लाया गया। मंच पर उनके लिए कुर्सी लगाई गयी थी। कुर्सी पर बैठते ही कांपते हाथों से जैसे ही चौरसिया जी ने बांसुरी साधी तो चमत्कार हो गया। लगा ही नहीं कुछ ही समय पहले यही व्याक्ति बोल तक नहीं पा रहा था। बांसुरी का वही चिरपरिचित माधुर्य, तान और सुरों की साधना ने श्रोताओं को भावों से भर दिया। बीच बीच में चौरसिया रुकते, कुछ क्षण का विराम फिर साधना का जादू जो श्रोताओं के सिर चढ़कर बोला। विराम प्रस्तुति में पंडित हरि प्रसाद चौरसिया ने जब बांसुरी पर ओम जय जगदीश हरे... की धुन बजाई तो पूरा प्रांगण हर हर महादेव से गूंज उठा।

संकट मोचन मंदिर के महंत ने शताब्दी समारोह की उस घटना को और चौरसिया जी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संभवतः एक सौ एक वें आयोजन में उन्हें विश्राम देने का निर्णय स्वाभाविक रुप से भारी मन से लिया होगा पर पंडित हरि प्रसाद चौरसिया अपने इष्ट देव संकट मोचन से अपने तई संवाद बना कर अर्ज करने में जुटे थे कि संकट मोचन महाराज, मेरे प्रभु मुझसे अंजाने में ऐसा कौन सी गलती हो गयी जो हाजिरी से वंछित कर रहे हो। संकट मोचन से अपने तई इस संवाद के चलते जब चौरसिया जी को यह विश्वास हो गया कि संकट मोचन ने हाजिरी लगाने से मनाही नहीं की है तब उन्होनें तुरत फुरत संकट मोचन के महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र को फोन लगा कर पूछा कि महंत जी, हमको भूल गये है क्या। जवाब में महंत जी ने उत्तर दिया कि अरे ऐसा नहीं है। हमको लगा था कि आपकी व्यस्तता है, इसलिए आपको फोन नहीं किया। यह तो आपका ही मंच है। मैं किसी को बुलाने वाला कौन होता हूँ । हनुमान जी ही यहां सबको बुलाते है। उनकी ही प्रेरणा से आपने हमको फोन किया है। महंत विशम्भर नाथ मिश्र का उत्तर सुनकर हरि प्रसाद चौरसिया ने सूचित किया कि वह आयोजन की दूसरी निशा यानि 28 अप्रैल को संकट मोचन के दरबार में अपनी हाजिरी लगाने आ रहे है।

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वें आयोजन की दूसरी निशा 28 अप्रैल को हरि प्रसाद चौरसिया दो शिष्याएं शुचि श्वेता चटर्जी, किरण बिष्ट और शिष्य घनश्याम चंद सहित संकट मोचन के दरबार में अपनी पचासवीं हाजिरी लगाने पहुंचे। तबले पर आशीष राघवानी ने सधी हुई संगत की। बांसुरी के उस्ताद के सुर मंदिर प्रांगण के कोने-कोने को भक्ति रस से सराबोर कर रही थी। मध्यम लय में शुद्ध स्वरों का उन्होंने वादन में बेहतरीन प्रयोग किया। आलाप की शुरुआत मंद्र निषाद से की। श्रोताओं का उत्साह और संकटमोचन का मंच देखकर उनमें जैसे नई ऊर्जा का प्रवाह होने लगा। पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने राग मारुविहाग की अवतारणा की। उन्होंने आलाप के बाद जोड़ बजाया। बांसुरी की हर फूंक पर हर कोई बस वाह-वाह कर रहा था। संगीत के सुधिजनों ने संगीत के साधक की हर किसी के अंतस तक बांसुरी की मिठास को महसूस किया। जोड़ बजाने के बाद उन्होंने हर बार की तरह ओम जय जगदीश हरे... की धुन से वादन को विराम दिया।

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वर्ष के इतिहास में किसी कलाकार द्वारा अपनी हाजिरी लगाने की यह अनूठी घटना है। इन पंक्तियों के लेखक ने पंडित हरि प्रसाद चौरसिया से फोन कर कहा कि ऐसा करने के पीछे संभवतः संकट मोचन मंदिर में अपनी पचासवीं हाजिरी लगाना का आपका संकल्प रहा होगा तो पंडित जी ने कहा कि - पचास सौ दो सौ क्याफ होता है, जब तक सृष्टि रहेगी तब तक संकट मोचन संगीत समारोह हजारों हजार साल तक होता रहेगा और संकट मोचन मुझे जब तक बुलाते रहेगें, मेरी क्यार औकात, मैं तो हाजिरी लगाने जाता ही रहूंगा।

अक्षय बोले-15 लाख की घड़ी पहनता हूं, कोई क्या देगा

इंदौर में मैदान छोड़ने पर कहा-राम राज्य के संकल्प को पूरा करने भाजपा में आया

इंदौर (नप्र)। इंदौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस लेने और भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने खुद को रामभक्त बताते हुए राम राज्य लाने के संकल्प को पूरा करने के लिए भाजपा में शामिल होने की बात कही। इसके पीछे किसी डील की अटकलों पर उन्होंने कहा, जो आदमी 15 लाख रुपए की घड़ी पहनता हो, जो शून्य से शीर्ष पर पहुंचा हो, उसे कोई डील में क्या देगा? अक्षय ने यह बात मंगलवार रात आलीराजपुर में मीडिया से चर्चा में कही। वे यहां कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ भाजपा शक्ति केंद्र के कार्यकर्ताओं की बैठक में पहुंचे थे। अक्षय कांति बम ने कहा- भाजपा में जो दायित्व मिलेगा, ईमानदारी से निभाऊंगा। मैंने तो कांग्रेस से इंदौर की अयोध्या (इंदौर-4 विधानसभा सीट) से टिकट मांगा था। यह प्रदेश की सबसे मुश्किल सीटों में से एक है। अगर इस सीट से मैं काम करने की ताकत रखता हूं तो समझ लेना चाहिए कि मेरे मन में कोई डर नहीं है। आज की तारीख में मेरे पास क्या है और क्या नहीं है, ये पूरा डिस्क्लोज्ड है। जो आदमी 15 लाख की घड़ी पहनता है उसको कोई क्या डील में देगा? यहां मुझे जो भी दायित्व दिया जाएगा, जितने भी निचले स्तर से दिया जाएगा, एक छोटे से कार्यकर्ता के रूप में उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। मैं रामभक्त हूं। संघ शक्ति कलयुगे। यदि किसी को आगे बढ़ना है तो वह संघ और संगठन की शक्ति से ही आगे बढ़ सकता है। जहां संगठन मजबूत होगा, वहीं रामराज्य आएगा। हमें सनातन धर्म को पूरे विश्व में ले जाना है। राष्ट्र जागृति को जगाना है। स्वर्णिम भारत बनाने के लिए देश के हर वर्ग को जागृत करना है। मेरे बारे में कुछ लोग यहां-वहां की बात कर रहे हैं, वे भी इस पर विचार करें। मैं ये नहीं कहता कि कल मैंने कोई बहुत बड़ा काम किया, मैं अगर सांसद भी होता तो सनातन धर्म के लिए अपने पद से त्यागपत्र देता और काम करता। व्यक्तिगत निर्णय से सनातन धर्म का निर्णय लेना ज्यादा जरूरी है।

इंदौर में कांग्रेस नेता ने किया सुसाइड

पुलिस ने कहा- अभी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, कारण भी अज्ञात

इंदौर (नप्र)। इंदौर में राऊ के पूर्व पंचायत अध्यक्ष और कांग्रेस नेता मनोज सुले ने मंगलवार शाम को सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक अयोध्यापुरी निवासी कांग्रेस नेता ने अपने पुराने घर नयापुरा (राऊ) में यह कदम उठाया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। जांच की जा रही है।

सुले पहले वह राऊ के नयापुरा में रहते थे। इसके बाद अयोध्या पुरी चले गए। एक कोल्ड स्टोरेज, एक तोला कांटा और खेती की जमीन है। कुछ समय पहले कान्हा पार्क के पास ही उन्होंने कॉलोनी भी काटी थी। बताया जाता है कि एक बेटा राजेश कान्हा पार्क में रहता है जो अलग रह रहा है। पुलिस को अभी तक सुसाइड नहीं मिला है, न ही किसी तरह का कारण सामने नहीं आया है। सुले का अंतिम संस्कार नयापुरा राऊ में ही किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के राऊ से निकलने के दौरान मनोज सुले ने राहुल गांधी को पीतल की गदा भेंट की थी।

छोटे भाई की भी हुई थी संदिग्ध मौत

मनोज सुले के छोटे भाई दिलीप सुले की भी कुछ साल पहले संदिग्ध परिस्थिति में मौत हुई थी। उनकी भाभी भी राऊ परिषद में पदाधिकारी रही हैं।

धमकी के बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ाई

सीआईएसएफ ने की सर्चिंग, शिकायत के बाद पुलिस बोली टेक्नीकल टीम ईमेल की जांच में जुटी

इंदौर (नप्र)। देवी अहिल्या बाई होल्कर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ई-मेल के द्वारा दी गई है। मेल में इंदौर सहित देशभर के 40 एयरपोर्ट को एक साथ बम प्लांट कर उड़ाने की बात लिखी है। भोपाल एयरपोर्ट प्रबंधन ने मेल को गंभीरता से लिया। जब सोशल मीडिया पर भोपाल एयरपोर्ट उड़ाने की सूचना वायरल हुई तो इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन ने भी मेल चेक किया। इसके बाद यहां सीआईएसएफ ने पूरे एयरपोर्ट की सर्चिंग करवाई। एरोड्रम थाने में मेल को लेकर एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना ने बताया कि एयरपोर्ट सिक्योरिटी की ओर से अधिकारी सुरेंद्र सिंह शिकायत दर्ज करवाई है। उनके अनुसार 29 अप्रैल सोमवार को सुबह 9.30 बजे प्रबंधन के पास ऑफिशियल मेल पर अज्ञात आईडी www.darktriad@gmail.com से मेल किया गया। उसमें लिखा है कि एयरपोर्ट परिसर और कुछ एयरलाइंस के प्लेन में बम प्लांट किए गए हैं। इन्हें जल्द एक्टिव कर उड़ा दिया जाएगा।

भोपाल एयरपोर्ट की इस तरह के मेल की जानकारी सोशल मीडिया पर चली तो इंदौर प्रबंधन ने अपने मेल चेक किए तब यहां पता चला कि हमें भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके बाद सीआईएसएफ के जवानों ने एहतियातन सुरक्षा ड्रिल करवाई। प्राथमिक जांच में स्पष्ट हुआ है कि ऐसा मेल देशभर के 40 से ज्यादा एयरपोर्ट्स पर किया गया है। इसके चलते सभी ने सुरक्षा ड्रिल करवाई, कुछ नहीं मिला। एक्सपर्ट की मानें तो इस तरह के मेल प्रॉक्सी सर्वर से भेजे जाते हैं, इसका इस्तेमाल आरोपी अपनी लोकेशन छिपाने के लिए करता है।

इनका कहना

मेल भेजने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धार 507 के तहत केस दर्ज किया है। उक्त मेल को लेकर टेक्निकल टीम जांच में लगी है। मेल कहां से, किस एड्रेस से किया गया है, इसकी जानकारी जुटा रहे हैं। एयरपोर्ट व आसपास के फुटेज खंगाल कर संदेहियों को वॉच किया जा रहा है।

- विनोद कुमार मीना, डीसीपी जोन-1

मप्र राज्य मिनी- सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा

इंदौर के पर्व, प्रग्यान, अनवित और गुरमन, मुख्य चक्र में आए

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पर्व जाटवा और प्रग्यान सलुजा ने मप्र राज्य मिनी -सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में 15 वर्ष बालक एकल के मुख्य चक्र में प्रवेश किया। अनवित गोयल और गुरमन सिंह गांधी 13 वर्ष बालक एकल के मुख्य चक्र में आए। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सह सचिव और सरताज अकादमी के धर्मेश यशलहा ने बताया कि विदिशा के स्प्रिंगफिल्ड स्कूल में हो रही इस स्पर्धा में योग्यता चक्र में 15 वर्ष बालक एकल के पांचवें दौर में इंदौर के पर्व जाटवा ने भोपाल के स्वर्णिम विकास पांडे को 15-6, 15-10 से और प्रग्यान सलुजा ने जबलपुर के अक्षत कुमार मौर्य को 21-12, 21-13 से हराया।

मुख्य चक्र में आए धार के अयुक्त गोहिल और अनय यादव इंदौर के प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा के साथ।

13 वर्ष बालक एकल के चौथे दौर में अनवित गोयल ने बैतूल के सिद्धांत ध्रुवे को 23 मिनट में 15-12, 13-15, 15-12 से और गुरमन सिंह गांधी ने इंदौर के ही आरव अभिचंदानी को 15-4, 15-5 से हराया। इंदौर के सक्षम गुप्ता, ग्वालियर के ओम प्रकाश से 5-11, 10-15 से पराजित हुए।ओम प्रकाश को मुख्य चक्र में इंदौर के मन बड़जत्या से पहले दौर में खेलना है। इंदौर के मोहम्मद अजमीर बेग चौथे दौर में भोपाल के

आरव सोनी से 8-15, 14-15 से पराजित हुए। आरव सोनी ने 11 वर्ष बालक एकल के भी मुख्य चक्र में जगह बनाई। आरव ने 11 वर्ष बालक एकल के चौथे दौर में मुरैना के कार्तिकेय मुदगल को 15-12, 15-12 से हराया। भोपाल के अभिनव आर्य ने सत्यार्थ सिंह को 15-10, 15-12 से पराजित किया। अभिनव ने तीसरे दौर में इंदौर के मलय सोमण को 15-10, 15-12 से 19 मिनट में हराया, मलय दूसरा गेम 6-11 की बढ़त लेकर हार गए।

11 वर्ष बालक युगल के एकमात्र मैच में सरताज अकादमी, इंदौर के मलय सोमण और अशांक मिश्रा, धार के अव्युक्त गोहिल और अनय यादव से 11-15, 10-15 से 20 मिनट में पराजित हुए, इसमें मुख्य चक्र सहित 9 प्रविष्टिया ही हैं।

इंदौर की खुशी मुस्किया और अनीट्टा बिनु 15 वर्ष बालिका एकल के तीसरे दौर में पराजित हुई। भोपाल की कृतिका पाठक ने खुशी मुस्किया को 15-7, 15-10 से और ग्वालियर की संस्कृति अग्रवाल ने अनीट्टा बिनु को 15-11, 15-11 से हराया, इंदौर की मांडवी गांधी 13 वर्ष बालिका एकल के तीसरे दौर में जबलपुर की एशवी मिश्रा से तीन गेमों में 15-10, 6-15, 6-15 से हारी। 15 वर्ष बालक युगल में इंदौर के अनय कृष्ण बिंजु और सामर्थ्य राव देशमुख मुख्य चक्र में आए। इस आयु वर्ग में पहले दौर में चार और दूसरे दौर में दो वाक ओवर हुए। पहले और दूसरे दौर में दो-दो मैच ही हुए। 15 वर्ष बालिका युगल में सीधे मुख्य चक्र ही है। 13 वर्ष बालिका युगल में तीन प्रविष्टियां ही होने से वह वर्ग नहीं होगा।

बैडमिंटन स्पर्धा में शामिल खिलाड़ी

महाराष्ट्र के अर्चित व्यास 15 वर्ष बालक एकल योग्यता चक्र के पांचवें दौर में भोपाल के प्रांजल सचान को 15-7, 15-3 से हराकर मुख्य चक्र में पहुंच गए हैं। वे सीधे राज्य स्पर्धा में ही कैसे खेल रहे हैं? जो खिलाड़ी मप्र में रहते और पढ़ते नहीं है, उन्हें मप्र में और वह भी सीधे राज्य स्पर्धा में खिलाना क्या अनुचित नहीं है? आज से स्पर्धा में मुख्य चक्र के मुकाबले हैं जो 3 मई तक होंगे।

इंदौर में लोकसभा चुनाव

सभा, रैली और जुलूस की अनुमति के लिए बनाई एकल खिड़की

इंदौर (नप्र)। 13 मई को इंदौर में होने वाले लोक सभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कलेक्टोरेट में अहम बैठक हुई। चुनाव आयोग के अफसरों के साथ ही उम्मीदवारों और उनके अभ्यर्थी भी शामिल हुए। उन्हें निर्वाचन से जुड़े नियमों की जानकारी दी गई। आदर्श आचार सहिंता के पालन सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। चुनाव प्रचार के लिए रैली, जुलूस, आमसभा सहित प्रचार वाहनों की अनुमति के लिए कलेक्टर कार्यालय में सिंगल विंडो बनाई गई है। बैठक में आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक डॉ. आर. सेल्वाराज, व्यय प्रेक्षक मत्ता पदमा, अल्का गौतम, जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह, जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मतदान दलों को 12 मई को होगा मतदान सामग्री वितरण- जिले में लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया गया। जिले में 13 मई को मतदान होगा। मतदान दलों को 12 मई को मतदान सामग्री का वितरण नेहरू स्टेडियम से होगा।

इंदौर के कॉलेज में फीस का गबन

छात्रों के 10 लाख अपने खाते में जमा कराने वाला शिक्षक गिरफ्तार

इंदौर (नप्र)। तेजाजी नगर क्षेत्र के एक कॉलेज शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। जुआ-सट्टा खेलने के शौकीन इस शिक्षक ने 30 छात्रों की फीस के करीब 10 लाख रुपए का गबन किया। परीक्षा के दौरान छात्रों से कॉलेज प्रबंधन ने फीस के लिए कहा तो उन्होंने जवाब दिया कि

कम्प्यूटर टीचर को जमा करवाई है। प्रबंधन ने आरोपी से पूछताछ की तो वह आत्महत्या की धमकी देने लगा। केस दर्ज होते ही 24 घंटे में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

टीआई करणदीप सिंह ने बताया कि चमेली देवी कॉलेज के प्रिंसिपल सुभाष धांडे ने शिक्षक राहुल पिता हरीश कौल निवासी सुखलिया के खिलाफ धोखाधड़ी व अमानत में खयानत का केस दर्ज करवाया था। आरोपी ने छात्रों से फीस लेकर खुद रख ली, कॉलेज के खाते में जमा नहीं करवाई। इस राशि को जुए-सट्टे में लगा दिया था। वह पहले ही काफी रुपया हार चुका था। घोटाले की जानकारी कॉलेज प्रबंधन को तब लगी जब उन्होंने परीक्षा फॉर्म भर रहे छात्रों को फीस जमा करने के लिए कहा।

इंदौर में नाम वापसी को लेकर याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा-सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट का फॉर्म तो स्क्रूटनी के समय ही रिजेक्ट हो चुका

इंदौर (नप्र)। इंदौर संसदीय सीट पर कांग्रेस की तरफ से घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम के नामांकन वापस लिए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने कहा, जिस सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट को अधिकृत प्रत्याशी बनाने की मांग की गई है, वो तो अब दौड़ में ही नहीं है। उसका फॉर्म तो नामांकन की स्क्रूटनी के समय ही रिजेक्ट हो चुका है। अगर इस पर आपत्ति है तो अलग से चुनाव याचिका दायर कर सकते हैं। इसके बाद हाई कोर्ट ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में दावेदारी करने वाली मोतीसिंह पटेल की याचिका खारिज कर दी।

कांग्रेस के प्रत्याशी रहे अक्षय कांति बम की नाम वापसी के खिलाफ कांग्रेस के डमी उम्मीदवार मोती सिंह पटेल की ओर से मंगलवार को ही यह याचिका दायर की गई थी। तत्काल सुनवाई की अपील स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने लंच के बाद सुनवाई की।

रेलवे के टिकट का दिया उदाहरण- याचिकाकर्ता के वकील के तर्कों पर हाईकोर्ट ने ट्रेन के ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम का उदाहरण दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आप ऑनलाइन टिकट बुक कराते हैं। चार्ट बनने तक सीट कंफर्म नहीं होती है तो टिकट कैंसिल हो जाता है। ऐसे में आपको जनरल टिकट लेकर चलना पड़ेगा अन्यथा आप (विदआउट टिकट) कहे जाएंगे। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मेरा टिकट तब तो कंफर्म होगा, जब मेरे से पहले वाला यात्री आए ही नहीं। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि वो आरएसी सिस्टम में होता है। वहीं, चुनाव आयोग की वकील ने कहा कि जो भी स्थिति हो, आपको आखिर तक अपना टिकट जीवित रखना ही होता है। उन्होंने यह दलील सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट मोती सिंह पटेल के फॉर्म के रिजेक्ट होने के साथ उनकी दावेदारी खत्म होने के समर्थन में कही। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मेरा तो अधिकार ही अप्रूव्ड कैंडिडेंट (अक्षय बम) की नाम वापसी के बाद शुरू होता है। तब हाईकोर्ट ने कहा कि आपको इसके लिए चुनाव याचिका दायर करना चाहिए।

जब फॉर्म ही रिजेक्ट हो गया तो दौड़ में कैसे- हाईकोर्ट : सब्स्टीट्यूट कैंडिडेंट (मोती सिंह पटेल) का तो आवेदन निरस्त हो गया है। उसकी वजह 10 प्रस्तावकों के साइन नहीं होना है। जब आवेदन ही निरस्त हो गया तो उसे रिवाइज नहीं किया जा सकता इसलिए आप दौड़ में नहीं हैं। एक्ट भी यही कहता है। इसके लिए चुनाव याचिका दायर कर सकते हैं।

इलेक्शन कमीशन - संबंधित सब्स्टीट्यूट कैंडिडेंट का फॉर्म स्क्रूटनी के समय ही रिजेक्ट हो गया था। कारण था कि उन्होंने 10 प्रस्तावकों के नाम ही लिखे। यदि वे नियमानुसार प्रस्तावकों के नाम लिखते और नाम वापसी के दिन तक बने रहते तो ये अधिकार मिल सकता था। चुनावी प्रक्रिया तो पीछे नहीं जा सकती।

याचिकाकर्ता के वकील -कांग्रेस ने जो बी फॉर्म जारी किया था, उसमें अप्रूव्ड कैंडिडेंट के तौर पर अक्षय बम का नाम था। इसी फॉर्म में सब्स्टीट्यूट कैंडिडेंट में मेरा नाम था। फॉर्म बी अक्षय की ओर से निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पेश किया गया था। इसी कारण से

मेरा फॉर्म निरस्त कर दिया गया। अब जब अक्षय नामांकन वापस ले चुके हैं तो कांग्रेस के सब्स्टीट्यूट कैंडिडेंट के नाते तो चुनाव लड़ने का मेरा अधिकार बनता है। इसके बावजूद मेरा फॉर्म मंजूर क्यों नहीं किया गया?

अक्षय के फॉर्म बी को ही बनाया आधार- मोती सिंह ने मांग की है कि कांग्रेस का चुनाव चिह्न उन्हें आवंटित किया जाएगा। अक्षय बम के नामांकन वापस लेने के बाद वे ही अधिकृत प्रत्याशी हैं। फॉर्म बी में कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि यदि अप्रूव कैंडिडेट नामांकन वापस ले लेता है या उसका फॉर्म रिजेक्ट हो जाता है तो वैकल्पिक नाम को प्रत्याशी माना जाएगा। याचिका में इसी को आधार माना गया है।

जीतू पटवारी बोले- किसी अन्य उम्मीदवार को समर्थन नहीं देगी कांग्रेस

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर संसदीय सीट पर किसी भी निर्दलीय या अन्य पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। मंगलवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में पटवारी ने कहा, हमारी पार्टी इंदौर में किसी भी प्रत्याशी को समर्थन नहीं देगी। दलबदल के विरोध में नोटा ही हमारा विकल्प होगा। पार्टी हाईकमान ने भी यही निर्देश जारी किए हैं। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस के पास बीजेपी को सबक सिखाने के कई तरीके हैं। ये इंदौर की जनता को तय करना है। हम चुनाव का बहिष्कार करने के लिए नहीं कहेंगे लेकिन नोटा का विकल्प हम सबके पास है। यहां लोगों के पास रावण जैसी ताकत है, जिसमें अंहकार दिखता है।

इंदौर के सीवरेज में भ्रष्टाचार

नाला टैपिंग फेल तो 55 करोड़ गड़बड़ी सुधार के नाम पर बर्बाद

इंदौर (नप्र)। शहर के सीवरेज सिस्टम को सुधारने के नाम पर नगर निगम ने पानी की तरह पैसा बहाया। करोड़ों खर्च के बाद भी न तो कान्ह नदी शुद्ध हुई न ही शहर में जलजमाव की समस्या का समाधान हुआ। सीवरेज लाइनों के नेटवर्क पर करीब 1500 करोड़ रुपए अलग अलग मदों में निगम ने खर्च किए।

मुंबई, नागपुर सहित अन्य शहरों के 5 बड़े कंसल्टेंट नियुक्त किए, लेकिन काम ठीक से नहीं किया गया। काम करने में हुई गड़बड़ी के कारण उन्हें दोबारा ठीक करवाया गया, जिस पर निगम ने अतिरिक्त 55 करोड़ खर्च कर दिए। नाला टैपिंग के लिए तो निगम को 120 करोड़ का लोन तक लेना पड़ा। नदी- नालों के 433 और 1331 आउट फॉल्स बंद भी किए गए, बावजूद कान्ह के जरिये शिप्रा में गंदा पानी ही मिल रहा है।

जेएनएनयूआरएम, नाला टैपिंग, सिंहस्थ 2016 और अमृत योजना के तहत सीवर लाइन डाली गई और अभी भी निगम शहर में 80 से 90 करोड़ की लागत से सीवर का काम करवा रहा है। नमामि गंगे के तहत 500 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। शिप्रा शुद्धिकरण के लिए सरकार को 615 करोड़ का प्रस्ताव अलग से भेज दिया है। सारी गड़बड़ी ड्रेनेज विभाग में हुई। 10 से ज्यादा शिकायतें पीएम और सीएम तक भी पहुंची सरस्वती नदी में मिलने वाले सीवरेज के आउट फॉल्स की टैपिंग के लिए दोनों ओर 15 किमी की लाइनें बिछाकर आउट फॉल्स ट्रैप किए गए। वहीं कान्ह नदी में दोनों किनारों पर 10.74 किमी लाइनें बिछाकर आउट फॉल्स को ट्रैप किया गया। 433 आउट फॉल्स और 6 प्रमुख नालों (पलासिया नाला, पीलियाखाल नाला, आजाद नगर नाला, भमोरी नाला, तुलसी नगर नाला, नरवल नाला) के 1313 आउट फॉल्स को ट्रैप किया गया। बावजूद मैला पानी नदी में बहता रहा। आज भी बह रहा है। अभ्यास मंडल के शिवाजी मोहिते बताते हैं इस मामले में कई सालों से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को कम से कम 10 पत्र लिख चुके हैं। खराब काम, फिर भी कंपनियों से वसूली नहीं कर पाए दरअसल, निगम ने जमीन में डलने वाले पाइपों का भौतिक सत्यापन नहीं करवाया। यही वजह है कि जब नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी ने लाइनों का नेटवर्क बिछाया और प्राइमरी-सेकंडरी लाइनों को डालने में दिक्कत आई तो 55 करोड़ और खर्च किए गए। जब इसके खिलाफ शिकायतें हुईं तो निगम ने जवाब दे दिया कि इस 55 करोड़ की वसूली लाइन डालने वाली कंपनियों और निगम के इंजीनियरों से की जाएगी। इसके लिए सभी को नोटिस भी दिए गए लेकिन कुछ नहीं हुआ। सीवर लाइनों में रुकावटें, लेवल डिफरेंस की समस्याएं पता चलने पर सुधार का काम करवाया गया।

न काम में गुणवत्ता न निगरानी

नाला टैपिंग में ऐसा काम किया कि जहां जलजमाव नहीं होता था, वहां भी पानी भरने लगा। फीडर रोड को तोड़कर बार-बार लाइन डालने का काम किया गया। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी कान्ह नदी को साफ नहीं कर पाए। न काम में गुणवत्ता रही न निगरानी।

- दिलीप शर्मा, पूर्व एमआईसी सदस्य

संपादकीय

कोविशील्ड- लकीर पीटने से लाभ क्या

कोरोना काल में भारत में करोड़ों लोगों को लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभावों को लेकर इसकी निर्माता कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन की अदालत में जो स्वीकारोक्ति दी है, उससे भारत में भी करोड़ों लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। हालांकि यह सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटने जैसा ही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस वैक्सीन से खून का थक्का जमने वाली बीमारी होने की संभावना है, लेकिन बहुत विरल। कोरोना के आफ्टर इफेक्ट्स के चलते बाद में कई लोगों की मौतें हुई हैं। कोविशील्ड को लेकर सवाल तो तब भी उठ रहे थे, जब लोग जान बचाने के लिए कोई भी दवा लेने पर विवश थे। लेकिन तब लोगों को यह कहकर आश्वस्त किया गया था कि डरने की कोई बात नहीं है। भारत में इस वैक्सीन का उत्पादन ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने किया था। इसके अलावा भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन नामक देशी वैक्सीन विकसित की थी। लेकिन उस वक्त जितने बड़े पैमाने पर इन वैक्सीनों की जरूरत थी, उसे देखते हुए कोविशील्ड को भी सरकार ने बड़े पैमाने पर खरीदा और लोगों को लगाया। डॉक्टरों का कहना है कि कोविशील्ड के कारण किसी की मौत हुई हो, इसका कोई पुष्टिकारक प्रमाण नहीं है। हालांकि इसके साइड इफेक्ट से इंकार नहीं किया जा सकता। कोविशील्ड निर्माता एस्ट्राजेनेका ने भी ब्रिटेन की अदालत में माना कि कोविशील्ड सौ फीसदी सुरक्षित नहीं है। ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ के अनुसार, कंपनी ने ब्रिटिश हाई कोर्ट में दिए अपने एक बयान में स्वीकार किया है कि बहुत रेयर मामलों में वैक्सीन से ब्लड क्लॉट बन रहे हैं। गौरतलब है कि कंपनी ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीन विकसित की है। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) ने कोविशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई। एस्ट्राजेनेका के अनुसार विरल मामलों में कुछ लोगों में टीके के दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जिससे थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) होने का जोखिम बढ़ जाता है। इस बीमारी में मरीज में खून के थक्के बन जाते हैं। उसे कार्डियक अरेस्ट हो सकता है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया तब होता है जब किसी व्यक्ति में प्लेटलेट काउंट कम हो जाता है। प्लेटलेट्स रक्त के महत्वपूर्ण घटक होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में मदद करते हैं। टीटीएस के लक्षणों में गंभीर सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, बोलने में कठिनाई, सीने में दर्द, पेट में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और पैर में सूजन आदि शामिल हैं। कंपनी के इस खुलासे के बाद कई लोगों के मन में डर पैठ गया है। लेकिन डॉक्टरों ने स्पष्ट किया है कि कोविशील्ड का इफेक्ट भी छः माह तक ही रहता है। वैक्सीन लगने के दो साल बाद इसका कोई असर नहीं रहता। इस वैक्सीन के आफ्टर इफेक्ट्स पर किए शोध में भी ऐसा मामला सामने नहीं आया कि जिसमें टीटीएस के लक्षण दिखे हों। कोविशील्ड के प्रभावों के बारे में वैज्ञानिक तथ्य जो भी हों, लेकिन कंपनी के खुलासे के बाद इस वैक्सीन पर से लोगों का विश्वास कम हो गया है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। सवाल तो अब यह भी उठ रहा है कि क्या कोविशील्ड की तुलना में भारत में आविष्कृत कोवैक्सीन ज्यादा बेहतर और सुरक्षित है। हकीकत में कोई भी ऐलोपैथिक दवा आफ्टर इफेक्ट्स से मुक्त नहीं होती। लेकिन दवा पर पूरी तरह अविश्वास भी ठीक नहीं है।

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

कनाडा में रविवार को वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है।

इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

रविवार के खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे

यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है।

भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रूडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का 'ठंडा' रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रूडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है।

ट्रुडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रुडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया। इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच शुरू हुई। अच्छी बात यह भी है कि इस मामले को दोनों देशों के संबंधों के खटास का माध्यम नहीं बनने दिया। जांच के निष्कर्षों को दोनों देशों ने स्वीकार किया एवं बेवजह का विवाद खड़ा नहीं होने दिया। कनाडा को भी अमेरिका से कुछ सीखना चाहिए एवं निज्जर हत्याकांड में भारत की अगर कोई भूमिका है तो उसके सबूत भारत सरकार को देने चाहिए।

कोरे आरोप लगाकर आपसी संबंधों को बिगाड़ने से परहेज करना चाहिए। अपनी भूमि का उपयोग भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा करती गतिविधियों के लिये कत्तई नहीं करने देना चाहिए।

बात कनाड़ा के साथ-साथ अन्य देशों पर भी लागू होती है जो अपने राजनीतिक हितों के लिये खालिस्तान समर्थक या अन्य भारत विरोधी आन्दोलनों को जगह देते हैं, लेकिन इन देशों ने भी समझा है और समझना ही होगा कि किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलअंदाजी करना उनके लिये ही हानिकारक होने वाला है। भारत अब एक महाशक्ति है, कनाड़ा जैसे देशों की भारत-विरोधी गतिविधियों से भारत की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अमेठी और रायबरेली पर कांग्रेस की उलझन?

विश्लेषण

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

कांग्रेस अमेठी और रायबरेली को लेकर असमंजस में है। अपनी परम्परागत सीट पर अपना उम्मीदवार तय नहीं कर पाई है। अमेठी और रायबरेली को लेकर मंथन जारी है। कहा यह जा रहा है कि यहाँ पांचवें चरण में वोटिंग होगी इसलिए पर्याप्त समय है। लेकिन सम्भवतः सच यह है कि अभी राहुल गाँधी एवं प्रियंका खुद तय नहीं कर पाए हैं कि उन्हें चुनावी मैदान में उतरना है या नहीं। फिलहाल दिखावे के लिए यह फैसला पार्टी अध्यक्ष खड़गे पर छोड़ दिया गया है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल गाँधी और प्रियंका रायबरेली और अमेठी से चुनाव लड़े। कार्यकर्ताओं की मांग जायज भी है, लेकिन पार्टी राहुल और प्रियंका को उम्मीदवार बनाने में डर क्यों रही है यह समझ से परे है। उन्हें क्या हार का भय भयभीत कर रहा या फिर वे चुनाव लड़ना नहीं चाहते हैं। ऐसा नहीं है तो उन्हें पार्टी का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए

कांग्रेस में संगठन या फिर गाँधी परिवार का फैसला सर्वमान्य है। मुझे तो ऐसा नहीं लगता क्योंकि अगर बात पार्टी स्तर पर होती तो अब तक फैसला हो गया होता। लेकिन मुझे लगता है इसमें राहुल और प्रियंका गांधी का निजी निर्णय है जिसकी वजह से पार्टी फैसला नहीं ले पा रहीं है। क्योंकि प्रियंका गांधी ने कई बार संकेत दिया है वह चुनाव नहीं लड़ना चाहती हैं। लेकिन वर्तमान समय में जो स्थिति है वह कांग्रेस पार्टी के लिए बेहद चुनौती पूर्ण है। लेकिन अमेठी और रायबरेली के लिए यह स्थित हम गाँधी परिवार के लिए कम से कम चुनौती पूर्ण नहीं मानते हैं। क्योंकि अभी तक वहां से सोनिया गाँधी संसद पहुँचती रहीं हैं। जहाँ तक मेरा मानना है राहुल और प्रियंका गांधी को निश्चित रूप से अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ना चाहिए। कांग्रेस के लिए हार जीत के मायने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण अमेठी और रायबरेली की जनता का सम्मान है। क्योंकि दोनों अहम सीट गांधी परिवार की परंपरागत विरासत रही है। यह अलग बात है कि अमेठी से भजपा की स्मृति ईरानी चुनाव जीतने में सफल रहीं हैं।

कांग्रेस राजनीति के संक्रमण काल से गुजर रही है लेकिन गांधी परिवार की अहमियत कांग्रेस और देश के लिए उतनी ही अहम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने सियासी हमले के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस को चुनते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अच्छी तरह मालूम है कि भाजपा का विकल्प कांग्रेस ही है। हम चाहते हुए भी कांग्रेस का अस्तित्व नहीं मिटा सकते हैं। उसी तरह राजनीति में यह भी सच है कि जब तक कांग्रेस है तब तक गांधी परिवार के अस्तित्व को मिटाया नहीं जा सकता है। क्योंकि गांधी परिवार ने देश, कांग्रेस और राजनीति के लिए जो योगदान दिया है देश की जनता में कहीं ना कहीं से उसके लिए सुरक्षित कोना महफूज है। सियासी आलोचनाओं की बात दीगर है। क्योंकि राजनीति एक ऐसा विषय है जिसमें विरोधी के लिए समालोचना का स्थान नहीं होता।

दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। उत्तर प्रदेश में अगर गांधी परिवार की उपस्थिति शून्य है तो यह राजनीति के विश्लेषण का विषय। लोकतंत्र में जय पराजय का खेल कोई मायने नहीं रखता है। क्योंकि यह फैसला जनता के हाथ में होता है। यह वही रायबरेली और अमेठी है जहां से श्रीमती इंदिरा गांधी को भी चुनाव हारना पड़ा। कांग्रेस विरोधी लहर में राज नारायण, जनता पार्टी से इंदिरा गाँधी के खिलाफ चुनाव जीत गए। राहुल गांधी के खिलाफ स्मृति ईरानी जीत गई। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह सीट कांग्रेस के हाथ से छीन गई। लोकतंत्र में हमेशा प्रयोग का विकल्प खुला रहता है। रायबरेली ने उन्हीं इंदिरा गांधी को फिर चुनकर दिल्ली भेजा। इसलिए हार जीत के डर से चुनाव न लड़ना गांधी परिवार की राजनीतिक कमजोरी होगी।

उत्तर प्रदेश बड़ा हिंदी भाषी राज्य है। गांधी परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश से आता है। उत्तर प्रदेश से ही उसकी राजनीतिक शून्यता बौद्धिक राजनीति का संकेत नहीं देती। गांधी परिवार के लिए रायबरेली और अमेठी अहम सीट रही है। यहां की जनता ने इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, राजीव गांधी और राहुल गाँधी के नेहरू जी को अनगिनत बार दिल्ली भेजा और प्रधानमंत्री का ताज़ पहनाया। अमेठी और रायबरेली गांधी परिवार की विरासत के रूप में जानी जाती है। यहां की जनता ने गांधी परिवार को बहुत सम्मान दिया है। रायबरेली में कांग्रेस 1952 से लेकर अब तक 17 बार जीत दर्ज कर चुकी है। लेकिन सोनिया गांधी की तरफ से सक्रिय राजनीति से अलविदा होने के बाद इस सीट पर गांधी परिवार को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी नहीं मिल पा रहा है। सियासी टिप्पणियों और आलोचना से बाहर निकलकर प्रियंका और राहुल गांधी को चुनावी मैदान में उतरना चाहिए।

राहुल गांधी को अमेठी की जनता ने भरपूर स्नेह और सम्मान दिया है। 2004 में राहुल गांधी पहली बार अमेठी से चुनाव लड़े और तीन बार सांसद चुने गए।2019 में उन्होंने वायानाड और अमेठी दोनों से चुनाव लड़ा, लेकिन अमेठी में स्मृति ईरानी के सामने उन्हें पराजित होना पड़ा। हालांकि वायानाड की जनता ने उन्हें सांसद बनाकर दिल्ली भेजा। इस हालात में राहुल गांधी के सामने उत्तर और दक्षिण का पेंच फंसा है। दक्षिण में बीजेपी के मुकाबले कांग्रेस अधिक मजबूत स्थित में है। जबकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। ऐसी विषम स्थिति में राहुल गांधी वायनाड को वरियता देते हुए देखे जा सकते हैं। यह भी सच है जब मोदी लहर में अमेठी ने उन्हें नाकारा तो वायनाड ने गले लगाया।

राहुल और प्रियंका गांधी को लगता है कि अगर भाई-बहन चुनावी जंग में अमेठी और रायबरेली से उतरते हैं तो पार्टी के प्रचार की कमान वे नहीं संभाल पाएंगे। जिसकी वजह से पार्टी को नुकसान हो सकता है। क्योंकि दोनों ही पार्टी के स्टार प्रचारक है। यह बात उनकी कुछ हद तक सही भी हो सकती है। लेकिन अमेठी और रायबरेली को लावारिश छोड़ना भी यहाँ की जनता का अपमान होगा और गांधी परिवार की यह सबसे बड़ी सियासी भूल होगी। विपक्ष राहुल और प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने को लेकर चाहे जो भी नैरेटिव गढ़े लेकिन जंग छोड़कर भागना उचित नहीं है। कार्यकर्ताओं की इच्छा का सम्मान करते हुए राहुल गाँधी और प्रियंका को अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ना चाहिए।

जंगल के चुनाव

हास्य-व्यंग्य

सुरेश सौरभ

लेखक व्यंग्यकार हैं।

चुनाव आने वाले थे। जंगल का राजा शेर भोग-विलास की अपनी सामग्री में पड़ा हुआ था। जब उसके अंधभक्त, मंत्रियों और कारकुनों ने चुनाव का स्मरण कराया, तो उसने अपने मंत्रालय के खास विश्वास पात्रों की आनन-फानन में आपात बैठक बुलाई। बैठक में उसका सचिव शानू सियार विचार प्रकट करते हुए बोला-महराज ! इस बार लग रहा, आप चुनाव न जीत पायेंगे?

शेर दहाड़ कर बोला-वो क्यों?

सियार-वो इसलिए, न आप ने युवाओं के लिए रोजगार की समुचित व्यवस्था की। न शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया। न नई जन कल्याणकारी योजनाएँ शुरु कीं। ऊपर से आप तमाम जंगल की कीमती लकड़ियाँ और महत्वपूर्ण सम्पत्तियाँ बेचते जा रहे हैं, रोज-ब-रोज अपनी विलासिता की सारी सामग्री खरीदते जा रहे हैं। अब पब्लिक सब होशियार हो गयी है। कोई आप को वोट न देगा? जंगल की पब्लिक को पहले से ही, आप ने शिक्षा और ज्ञान-विज्ञान ने वंचित करके रखा है। इसलिए आप का काम, और बहुत आसान हो जाएगा। फिर देखिएगा, हमारे खरीदे मीडिया वाले भी कैसे-कैसे लोगों के बीच में, आग लगा कर उन्हें आपस में लड़ाते है। और

फिर....बीच में ही शेर बोल पड़ा-फिर हम उस आग को बुझाने में झूठ-मूठ ही लग जाएँगे। तब तक चुनाव आ जाएँगे। सुरक्षा मंत्री चीता कुटिल मुस्कान बिखेर कर बोला-फिर आप अपनी राजनैतिक रोटियाँ उस आग पर सेंकते हुए धीरे-धीरे उस उन्मादी आग को शान्त लेंगे। बहुमत में अधिक अपनी प्रजाति के

तब घोर चिन्ता में डूब, शेर अपना सिर पकड़कर बोला-तब क्या किया जाये? तब खुफिया विभाग की मंत्री चिन्टी लोमड़ी बोली- महराज ! इसका तो बस एक ही इलाज है।

शेर अधीरता से-जल्दी बताओ?

चिन्टी-साम्प्रदायिक तनाव ।

'शेर-अरे ! ये क्या कह रही हो तुम, तुम्हारा दिमाग तो सही है? चिन्टी-हाँ, सही है, अब यही एक विकल्प बचा है, इसके अलावा और कोई नहीं? अपनी मूँछों पर हाथ फेरता हुआ सुरक्षा मंत्री रम्पत चीता बोला-कहना आसान है, पर करना या कराना बहुत मुश्किल है। कैसे इसकी कार्य योजना बनेगी। जरा विस्तारपूर्वक बताइए चिन्टी बहना?

चिन्टी-धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए कुछ भाड़े के लोगों को, पैसादेकर उनसे उल्टी-सीधी बयानबाजी करानी पड़ेगी। लोगों का, पक्ष लेते हुए, सारी

चुनावी हवा अपने अनुकूल बना लेंगे। फिर वही जनता कहेगी आप कितने महान हैं, जो आपने अपने राज्य को उन्मादियों की आग से, जलने से, बचा लिया। आप ने अपने पौरुष से जनता के जान-माल की इतनी रक्षा की, जितनी कोई और कभी न कर सकता था। आप चिन्ता न करें आप के अंधभक्त तो आप को अवतारी पुरुष के रूप में प्रचारित करेंगे। फिर यही मूढ़ जनता आप को दुबारा सत्ता की चाशनी सोने-चाँदी के चम्मच से चटाएगी।

शेर मुस्कुराया। उसकी आँखों सें शैतानियत का दानव अट्टहास करते हुए, झांक रहा था। कुछ दिन बाद फिर वही हुआ...शेर जंगल में पुनः भारी मतों से राजा चुना गया। उसकी चारों दिशाओं में जय-जयकार जंगल की जनता कर रही थी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

वे छोटा कुछ सोच ही नहीं पाते हैं

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक था मुल्क। मुल्क का था एक बादशाह। आईन से गद्दीनशीन हुआ था। बैलट बॉक्स से निकला हुआ। नए दौर में लिखें तो ईवीएम से निकला था। बड़े सपने देखता था। कहता था- 'मैं छोटा कुछ सोच ही नहीं पाता हूँ।' बड़ा मुल्क, बड़ा बादशाह, बड़ी सोच, बड़े सपने तो गरीब और गरीबी छोटी कैसे रह पाती ! जब उसने कहा कि मेरा मुल्क सबसे ऊपर रहना चाहिए तब उसका मतलब रहा आया कि दुनिया में सबसे ज्यादा गरीब हों तो उसके मुल्क में हों। डंका बजे तो उसके मुल्क की गरीबी का बजे। इसके लिए उसने गरीबों को और अधिक गरीब बनाने में कोई कसर बाकी उठा न रखी थी।

एक रोज़ उसने महल की छत पर खड़े होकर एक नज़र अपनी रियाया और रियासत पर डाली। मुतमईन हुआ। दूर, जहाँ तक नज़र जा पाती शहर की झुग्गी-बस्तियों से लेकर गांवों की झोपड़ियों तक में गरीब ही गरीब नज़र आते। अस्सी करोड़ गरीब। अनाज़ के शाही गोदामों से निकली खैरात से पेट पालती रियाया। उसने वज़ीर-ए-खज़ाना से पूछा गरीबी में हम कब तलक अव्वल रह सकते हैं? उसने कहा- 'जान की अमान हो जहाँपनाह, इसे आप इस तरह समझिए कि हमारे मुल्क की किसी कंपनी का सबसे ऊँचा ओहदेदार अपनी तनख्वाह से एक साल में जितना कमाता है उसी फैक्ट्री में न्यूनतम मजदूरी पाने वाले एक मुलाज़िम को उतना कमाने में नौ सौ इकतालीस बरस लगेंगे।' 'नौ सौ इकतालीस बरस !! और इस बीच रियाया बग़ावत कर बैठी तो?' 'पेट में अन्न पड़ा रहेगा तो इन सालों को सालों क्रांति की याद भी नहीं आएगी। आप नाहक परेशान न हों आलम पनाह, जब तक आपका निज़ाम कायम है तब तक आपका इक़बाल बुलंद है।'

बादशाह को तसल्ली हुई। बड़ा मुल्क, बड़ा बादशाह, बड़ी सोच, बड़े सपने। बड़ा होने की तमन्ना ठहरती कब है ज़नाब। उसने फिर से रियाया और रियासत पर नज़र दौड़ाई। गरीबी के दरिया के बीच समृद्धि के चंद टापू नज़र आए। मुल्क की रियाया के महज़ एक फ़ीसद लोग संपत्ति की चालीस फ़ीसदी पर काबिज़। आलीशान और मालामाल। बादशाह ने वजीर-ए-खज़ाना की ओर सवालिया नज़र से देखा तो उसने धीरे से अर्ज़ किया ङ्ग 'नहीं, हम अव्वल नहीं है जहाँपनाह। अरबपतियों की संख्या में हमारा मुल्क अभी नंबर तीन पर है।' एक लेडी होने के चलते बच गई वजीर-ए-खज़ाना वर्ना इतनी चूक पर बादशाह वजीर की खाल में भूस भरवा देता। उसने बस इतना ही कहा- 'अगले पाँच बरस में सबसे ज्यादा अरबपति भी हमारे मुल्क में होने चाहिए।'

'आपका परचम बुलंद रहे जहाँपनाह, काम जारी है।' - हुकुम सर आँखों पर धरते हुवे मोहतरमा ने कहा- 'सदी की शुरुआत में दुनिया के अरबपतियों की फेहरिस्त में अपन के मुल्क से दस से भी कम अमीर शामिल हो पाए थे, आज सैंकड़ा पार कर गए हैं। बेफिक्र रहें आप।

शाही खजाने से निकलती धाराएँ, नीतियों की नहरों से होती हुई, उनकी तिजोरियों की ओर घुमा दी गई हैं। बहाव अब और तेज़ किए जाएँगे। रेल अड्डे, बस अड्डे, हवाई अड्डे, बंदरगाहें, खानें-खदानें, जल, जंगल, जमीनें, बहाव कोई सा भी हो किधर से भी गुजरे - समाएगा तो उन्हीं की तिजोरियों में जाकर। पहले एशिया के सबसे अधिक रईसों में शुमार, फिर दुनिया के अव्वल सौ में, फिर दस में। और एक दिन दुनिया का सबसे धनवान, अपन के मुल्क का शहरी।'

बादशाह ने राहत की सांस ली। गरीबी तेज़ी से बढ़ रही है तो अमीरी भी। उसे फ़ख्र महसूस हुआ। सही दिशा में जा रहा है उसका निज़ाम। मालियात के फैसलों को विकास की सड़क पर बायीं ओर चलने से रोकना ही पड़ता है। आल्वेज कीप राइट। जब तक अमीर और अधिक अमीर नहीं होंगे तब तक गरीब और अधिक गरीब कैसे होंगे !!

शाम ढलने को थी। उसने निशान-ए-मुल्क के चार में एक शेर के सिर पर प्यार से हाथ फेरा और धीरे से पूछा- 'माय डियर पत्थर के सनम, ठीक चल रहा ना !' शेर को मन ही मन बादशाह पर दया आई। उसने कहना चाहा कि कितने सम्राटों, चक्रवर्तियों, बादशाहों ने ये भूल की है। जिस दिन मुल्क के अमीर-उमरावों की इमारतों की ऊँचाई शाही महल की ऊँचाई से ऊपर निकल गई, उस दिन निज़ाम उनका होगा तुम्हारा नहीं बादशाह। मगर वो चुप रहा। फ़िलवक्त बादशाह मुतमईन है। उसका निज़ाम अमीरों की संख्या में अव्वल नंबर होने को है तो गरीबों की संख्या में भी वही तो है। अव्वल नंबर होना उसे सबसे ज्यादा सुहाता है।

विश्व हास्य दिवस

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

हंसने का भी विज्ञान है जो कहता है हंसते-हंसते कट जाए रस्ते

हँसने के पीछे खुशी का मनोविज्ञान होता है। आप खुश हैं तो आपके पास से हँसी एकदम फूट पड़ेगी लेकिन यदि उदास है तो हँसी फूटने में भी समय लगेगा। बचपन में हम पहले एक साल तक दिन में चार सौ बार मुस्कुराते हैं और जैसे-जैसे बड़े होते हैं यह मुस्कुराहट कम होती जाती है। मुस्कराने और हँसने के बीच जो नायाब फांसला है वह हमारे व्यक्तित्व का भी परिचायक है। मुस्कान के पास बड़े कारण होते हैं लेकिन हँसी के पास कोई बड़े कारण नहीं होते हैं। इसलिए हँसी को खुशी का सर्वश्रेष्ठ मानक माना गया है। हँसना तब से ही अस्तित्व में है जब से पहला मानव पैदा हुआ था और यह बहुत संक्रामक है। ऐसे कई सिद्धांत हैं जो हँसी की व्याख्या करते हैं। सिगमंड फ्रायड ने द रिलीफ थ्योरी बनाई और इसका सारांश यह है कि यह एक तनाव निवारक है। एक दार्शनिक, जॉन मॉरियल का सिद्धांत है कि यह खतरे की भावना से छुटकारा पाने के लिए एक साझा अभिव्यक्ति है। हालाँकि, निस्संदेह, हँसी सबसे अच्छी दवा है। हंसते समय कई तरह से रसायन विज्ञान शामिल होता है। जब हम हंसते हैं, तो एंडोर्फिन पिट्यूटरी ग्रंथि से रक्त में और फिर मस्तिष्क में और रीढ़ में जारी होता है। हंसते समय, डोपामाइन रसायन मस्तिष्क में जारी होता है और फिर भेजा जाता है शरीर में अन्य तंत्रिकाओं के लिए एक संकेत के रूप में। यदि आप स्वाभाविक रूप से प्रसन्नचित्त व्यक्ति हैं, तो आपको अवसाद और चिंता का खतरा कम हो सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि खुश लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। जीवन कभी-कभी भारी पड़ सकता है। यहां तक कि सबसे मजबूत लोग भी टूट जाते हैं। हास्य की अच्छी समझ आपके तनाव के स्तर को नियंत्रण में रखने का एक स्वाभाविक तरीका है। हंसने से स्वचालित रूप से सकारात्मक शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं जो आपके दिमाग को आराम देने में मदद करते हैं। हँसी के अल्पकालिक लाभों में शामिल हैं-

एक अच्छी हंसी आपके ऑक्सीजन युक्त हवा के सेवन को बेहतर बनाती है। यह, बदले में, हृदय, फेफड़े और मांसपेशियों जैसे अंगों को उत्तेजित करता है। आपका मस्तिष्क एंडोर्फिन भी जारी करता है - हार्मोन जो खुशी और आराम की भावना पैदा करते हैं। हंसने से आपके शरीर का तनाव प्रतिक्रिया तंत्र सक्रिय हो जाता है। यह प्रक्रिया आपकी हृदय गति को बदल देती है जिससे आप उच्च मूड में आ जाते हैं। हंसने से रक्त संचार भी तेजी से होता है। जब ऐसा होता है, तो आप एक शांत अनुभूति का अनुभव कर सकते हैं जो तनाव और तनाव को दूर कर देती है।

अल्पकालिक लाभों के अलावा, हास्य के कई वैज्ञानिक रूप से सिद्ध दीर्घकालिक प्रभाव हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा

सकारात्मक विचारों से न्यूरोपेप्टाइड का स्राव होता है। ये मस्तिष्क रसायन हैं जो चिंता, तनाव और अन्य संबंधित मानसिक स्थितियों से लड़ने के लिए जाने जाते हैं। नकारात्मक विचार रखने से शरीर में रासायनिक प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं जिससे तनाव का स्तर बढ़ जाता है, जो बदले में आपकी प्रतिरक्षा के खिलाफ काम करता है।

दर्द से राहत

एक अच्छी हंसी आपके शरीर से प्राकृतिक दर्द निवारक दवाएं छोड़ती है, जिससे आपको शारीरिक दर्द से राहत मिलती है।

सकारात्मकता

हास्य की अच्छी समझ होने से आपको अन्य लोगों के साथ बातचीत करने और जुड़ने में मदद मिल सकती है। सकारात्मक विचार और अच्छे रिश्ते आपको कठिन परिस्थितियों से ध्यान हटाकर निपटने में मदद कर सकते हैं।

मूड में सुधार

हँसी चिंता और अवसाद को कम करके आपका उत्साह बढ़ा सकती है, जिससे आप अधिक खुश हो सकते हैं। हाल तक हास्य के बारे में बहुत कम शोध किया गया था। कुछ लोगों ने इस विषय को गंभीरता से लिया, या मानवीय अनुभव के इस हिस्से पर अधिक विद्वतापूर्ण ध्यान दिया। लेकिन अब, विभिन्न विषयों के शोधकर्ता मानव मस्तिष्क में हास्य की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कर रहे हैं - और यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि हास्य जिस उद्देश्य की पूर्ति करता है वह कोई हंसी की बात नहीं है।

हास्य क्या है और मनुष्य इस घटना का अनुभव क्यों करते हैं? अपनी हल्की प्रकृति के बावजूद, हास्य वास्तव में एक परिष्कृत तनाव-निवारण तंत्र है, जो मनुष्यों में विशिष्ट रूप से विकसित होता है। अधिकांश लोग अनुभूति की सराहना करते हैं और उसकी तलाश करते हैं। शायद इसलिए कि यह मज़ेदार है, अच्छी हंसी का आनंद लेना कभी-कभी एक निरर्थक, यहां तक कि तुच्छ गतिविधि के रूप में देखा जाता है।

अमेरिका की मैरीलैंड यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट प्रोवाइन कहते हैं किए हंसी इंसान का सामाजिक संकेत देने का ज़रिया है। हंसी का मतलब रिश्तों से है। लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज की प्रोफ़ेसर सोफ़ी स्कॉट कहती हैं कि, हंसी के ज़रिए हमारा अवचेतन मन ये संकेत देता है कि हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। रिसर्च बताते हैं कि जब हमारा दिमाग़ सुकून में होता है, तो हमारे जेहन में ज़्यादा अच्छे विचार आते हैं। हम खुलकर काम करते हैं, तो बेहतर नतीजे निकलते हैं, हम ज्यादा क्रिएटिव हो जाते हैं। एक रिसर्च के दौरान कुछ लोगों को कॉमेडियन रॉबिन विलियम्स की कॉमेडी का वीडियो दिखाया गया। इसके बाद देखा गया कि उन लोगों ने दूसरे ग्रुप के मुकाबले एक पहेली ज्यादा आसानी से हल कर ली। अमेरिका के वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के रिसर्च के मुताबिक अगर आप हर रोज 10 से 15 मिनट तक खुलकर हंसते हैं तो लभगग 10 से 40 फीसद कैलोरी बर्न होती हैं, इसी तरह इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमर रिसर्च के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति दिन में 30 मिनट हंस लेता है तो जिम जाने के जो फायदे हैं वो हंसने से ही मिल जाएंगे। ऐसा भी कहा जाता है कि हृदय के लिए कोई विशेष व्यायाम नहीं है लेकिन हंसने से हृदय की एक्सरसाइज होती है। रक्त का संचार बेहतर होता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सायकोलॉजिस्ट रॉबिन डनबर कहते हैं, हंसने पर हमारे फेफड़े फूलते-पिचकते हैं। ऐसा होने पर पर ब्रेन के एंडॉर्फिन सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। नतीजा, खुद इंसान खुद को काफी आरामदेह स्थिति में पाता है। इंसान के अंदर बनने वाले स्ट्रेस हार्मोन में कमी आती है और तनाव घटने लगता है।

भावनात्मक कल्याण

आपने कितनी बार किसी से पूछा है- 'क्या आप हंस रहे हैं या रो रहे हैं?' यह भ्रम कोई संयोग नहीं है- शारीरिक और रासायनिक रूप से, हंसना और रोना आपस में घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं। फिर भी, एक तरह से ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। वैज्ञानिक लंबे समय से मानवीय भावनाओं की जटिल संरचना में हास्य की भूमिका के बारे में अनुमान लगाते रहे हैं। अधिकांश का मानना है कि यह इसलिए विकसित हुआ, क्योंकि आत्म-जागरूकता की हमारी अत्यधिक विकसित भावना के साथ, हमें अपनी सतर्कता को कम करने के लिए हास्य के परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता है। हास्य एक बहुत बड़ा विकर्षण है और यह हमें हमारी चिंताओं से दूर ले जा सकता है। यह लंबे समय तक चलने वाला मूड बूस्ट प्रदान करता है, और कभी-कभी अवसाद और चिंता के इलाज में मदद के लिए 'निर्धारित' किया जाता है। हास्य भी इस परिप्रेक्ष्य को प्राप्त करने का एक शक्तिशाली उपकरण है कि हमारी व्यक्तिगत चुनौतियाँ 'मानवीय स्थिति' का हिस्सा हैं। यह हमें अपनी चुनौतियों को परिप्रेक्ष्य में रखने में मदद करता है। और यद्यपि मनोवैज्ञानिक दुःख या अन्य कठिन भावनाओं का सामना करने से बचने के लिए हास्य को मुखौटे के रूप में उपयोग करने के प्रति चेतावनी देते हैं, हँसी हमें दर्दनाक घटनाओं से निपटने में मदद कर सकती है। कुछ विशेषज्ञ उन रोगियों के लिए चिकित्सीय हास्य का उपयोग करते हैं जो जीवन के अंत का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि अंत्येष्टि और स्मारक सेवाओं में भी, दुख और हंसी की साझेदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण अक्सर देखा जा सकता है जब दोस्त और प्रियजन उस व्यक्ति की विनोदी, स्नेहपूर्ण कहानियां साझा करते हैं जिसे उन्होंने खो दिया है। उन अवसरों पर, दुःख और खुशी के आँसू सुखदायक मिश्रण में मिल जाते हैं। हास्य न केवल शारीरिक रूप से बल्कि भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ करता है।

सामाजिक अनुबंध

विशेषज्ञ हमें बताते हैं कि समाजीकरण वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देता है - लेकिन हमारे बाद के वर्षों में, हम सामाजिक जुड़ाव में बाधाओं का अनुभव कर सकते हैं। मानवविज्ञानी मानते हैं कि हास्य का एक प्रमुख कार्य हमें अन्य लोगों से जोड़ने की क्षमता है। हास्य वास्तव में एक परिष्कृत तंत्र है जो इस प्रकार विकसित हुआ है कि मनुष्य, जो पारंपरिक रूप से करीबी इलाकों में रहते हैं, अपने करीबी लोगों के बीच तनाव को कम कर सकते हैं।

जब लोग संघर्ष का अनुभव कर रहे हों तो हास्य मदद करता है। क्या सभ्यताएँ इसके बिना जीवित रह सकती हैं? हमारे आधुनिक दैनिक जीवन में भी, हँसी हमें खुद को कम गंभीरता से लेने में मदद करती है और लोगों के बीच तनाव को दूर करने के लिए 'सामाजिक स्नेह' के रूप में कार्य करती है। हास्य ने हमारे शुरुआती पूर्वजों को उन अजनबियों के बीच शत्रुता को कम करने में भी मदद की, जिनका उन्होंने सामना किया था। एक अच्छा चुटकुला सुनाना लंबे समय से 'बर्फ तोड़ने वाले' के रूप में जाना जाता है जो लोगों के बीच की सुरक्षा को खत्म कर देता है।

मस्तिष्क स्वास्थ्य

क्या आप जानते हैं कि जब किसी व्यक्ति को शुरुआती अल्जाइमर रोग होता है, तो उसके प्रियजनों में सबसे पहला बदलाव जो नोटिस किया जाता है, वह है व्यक्ति के हास्य की भावना में अंतर, मस्तिष्क इमेजिंग से पता चलता है कि मस्तिष्क के कई क्षेत्र हास्य की धारणा उत्पन्न करने के लिए जटिल तरीके से एक साथ काम करते हैं। कई शोधकर्ताओं का मानना है कि हास्य को समझने से मानव अनुभूति के कुछ बुनियादी सिद्धांतों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलती है।

इष्टतम बौद्धिक कार्य को बनाए रखने के लिए हास्य एक महान उपकरण है। यह शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण का समर्थन करता है - जो मस्तिष्क स्वास्थ्य के तीन महत्वपूर्ण निर्माण खंड हैं। उन लाभों के अलावा, हास्य हमारे दिमाग को अच्छी कसरत भी दे सकता है। कम या यहां तक कि बचकानी सोच के रूप में अपनी प्रतिष्ठा के बावजूद, हास्य वास्तव में एक उच्च विकसित मानसिक व्यायाम हो सकता है, जो हमें विचारों को विभिन्न, आविष्कारशील तरीकों से देखने के लिए प्रशिक्षित करता है। यहां तक कि तुच्छ वाक्य के लिए भी मस्तिष्क को परिप्रेक्ष्य बदलने की आवश्यकता होती है।

निःसंदेह, हास्य एक व्यक्तिगत चीज़ है-हमारी व्यक्तिगत हास्य भावना हमारे व्यक्तित्व के किसी भी अन्य हिस्से की तरह ही अद्वितीय है। जो चीज एक व्यक्ति को हंसाती है वह दूसरे व्यक्ति को भ्रमित कर सकती है या उसकी आँखें घुमा सकती है। और निःसंदेह, हर स्थिति हँसी के लिए उपयुक्त सेटिंग नहीं होती। जिसे हम 'अच्छे हास्य की भावना' के रूप में सोचते हैं उसका एक हिस्सा हमारे दर्शकों की संवेदनाओं के प्रति संवेदनशीलता है।

चुनाव-चौबीस

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

गोवा- चुनाव में कशिश बढ़ी

गोवा छोटा राज्य है; क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों मान से लघुत्तमों में एक। वह अपने सुरम्य तटों, फेनी और लजीज व्यंजनों के लिये मशहूर है। देश-विदेश के सैलानियों का वह प्रिय गंतव्य है। बहुतेरी चीजें हैं कि जब उनका जिक्र होता है, तब जेहन में बरबस गोवा उभर आता है, मगर फिलवक्त गोवा को लेकर अगर्चे कुछ जेरे-बहस है, तो वह है चुनाव। 40 सीटों की असेंबली के गोवा में लोकसभा की फकत दो सीटें हैं। एक गोवा उत्तर और दूसरी गोवा दक्षिण। इसे गोवा के मतदाताओं का विवेक ही कहेंगे कि उन्होंने दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों के बीच संतुलन बनाये रखा है। दक्षिण गोवा से कांग्रेस के कास्मे फ्रांसिस्को कैटानो सार्डिन्हा सांसद हैं, तो उत्तर गोवा से बीजेपी के श्रीपाद येस्से नाईक। उत्तर गोवा में एसआई नाईक को जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई थी, लेकिन दक्षिण गोवा में सार्डिन्हा को जीतने में पसीने आ गये थे। वह बीजेपी के सलाह नरेन्द्र सवाईकर को बमुश्किल करीब 10 हजार मतों से हरा सके थे, जबकि उत्तर गोवा में नाईक ने कांग्रेस में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गिरीश राया चोडनकर को करीब 80 हजार वोटों से हराया था। वह सन् 2014 का चुनाव भी जीते थे। तब उन्होंने कांग्रेस के रवि नाईक को परास्त किया था। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि सन् 2014 में गोवा दक्षिण में भी बीजेपी जीती थी। तब उसके उम्मीदवार सवाईकर ने लोरेंको अलेक्सो रेजीनाल्डो को मात दी थी। मुकाबले में गोवा की चर्चित शख्सियत चर्चिल अलेमाओ भी थे। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था और उन्हें वोट मिले थे मात्र 11,941। सन् 2019 में दक्षिण गोवा में 'आप' ने भी दांव खेला था। उसके उम्मीदवार एल्विन गोम्स को करीब 21 हजार वोट मिले थे। इस चुनाव में आप कांग्रेस की बगलगीर है। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में बीस-बीस विधानसभा क्षेत्र समाहित हैं।

दोनों संसदीय क्षेत्रों में मतदाताओं में अधिक घट-बढ़ नहीं है, लेकिन उम्मीदवार बदल गये हैं। दोनों प्रमुख पार्टियों ने नये चेहरों पर दांव लगाया है। उत्तर-गोवा में कांग्रेस ने सार्डिन्हा के बजाय कैप्टेन विरियाटो फर्नांडीज को प्रत्याशी घोषित किया है। उनका सीधा मुकाबला बीजेपी की नेत्री सुश्री पल्लवी श्रीनिवास डेंपो से है। गोवा में डंपो सुपरिचित घराना है। कम लोग जानते होंगे कि पल्लवी चुनाव लड़ रही कुबेर-हस्तियों में ऊपरी पायदान पर हैं। तृतीय चरण के मतदान के संसदीय क्षेत्रों के धनाढ्य प्रत्याशियों की फेहरिस्त में वह अग्रणी हैं। उनके पास 1361 करोड़ रुपयों की संपदा है, जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के पास 424 करोड़ रुपयों की संपत्ति है, और कोल्हापुर से कांग्रेस के उम्मीदवार क्षत्रपति शाहू शाहजी के पास रुपये 342 करोड़। सुश्री डेम्पो के पास प्रचुर शेयर हैं और दुबई और लंदन में आलीशान मकान। 51 वर्षीया पल्लवी एमए्आईटी पुणे से रसायन शास्त्र में स्नातक और बिजनेस मैनेजमेंट में एमए् हैं। गोवा के इतिहास में वह पहली महिला प्रत्याशी हैं। दक्षिण गोवा संसदीय क्षेत्र के समीकरण दिल्चस्प हैं। लगभग 58 प्रतिशत हिन्दू हैं और 32 प्रतिशत ईसाई। मुस्लिम आबादी करीब 9.3 फीसद है। लगभग दो तिहाई आबादी शहरी क्षेत्र और एक तिहाई ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। बीजेपी को उम्मीद है कि इस बार ईसाई मतों का विभाजन होगा। बहरहाल, दक्षिण गोवा में दोनों ही दलों ने नये चेहरों पर दांव लगाया है। कांग्रेस की ओर से चार बार सांसद रहे सार्डिन्हा के स्थान पर पूर्व नौसेना अधिकारी फर्नांडीज मैदान में हैं और उन्हें आप के अलावा विजय सरदेसाई की गोवा फारवर्ड पार्टी का समर्थन प्राप्त है। दक्षिण गोवा के सालसेट इलाके में कैथोलिकों की अच्छी-खासी आबादी है।

दक्षिण के विपरीत उत्तर गोवा में बीजेपी ने पांच बार के विजेता श्रीपाद नाईक पर फिर से दांव लगाया है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जुझारू नेता रमाकांत खलप को मैदान में उतारा है। सुश्री पल्लवी के पक्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा हो चुकी है। उन्होंने पर्यटन और मत्स्य-पालन को बढ़ावा देने की बात कही। हर बार की तरह पर्यटन औरपर्यावरण प्रभावी चुनावी मुद्दे हैं। इस चुनाव का एक और कबिले-जिक्र पहलू है कि क्षेत्रीय रिवल्यूशनरी गोवन्स पार्टी भी पहली दफा मैदान में है। उसने अपने मुखिया तुकाराम मनोज परब को उत्तर और रुबर्ट परेरा को दक्षिण गोवा से प्रत्याशी घोषित किया है। नतीजा कुछ भी हो, किंतु चुनाव मैदान में नये चेहरों के आने से चुनाव पहले से कहीं ज्यादा रोचक हो गया है।

सेहत

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

दुनिया में मौतों का दूसरा कारण कैंसर

गैर संचारी रोग यानी कि एनसीडीज के तहत आने वाले कैंसर को लेकर लैंसेट कमीशन की ओर से हालिया जारी नई रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और 2040 तक हर साल इससे 10 लाख महिलाओं की मौत होने का खतरा है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि 2020 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 78 लाख महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था, जबकि उसी साल इस बीमारी से करीब 6.85 लाख महिलाओं की मौत हो गई थी। रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में औसतन हर 12 महिलाओं में से एक को 75 साल की उम्र से पहले ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा रहता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 2020 में दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के 23 लाख मामले सामने आए थे, जो 2040 तक बढ़कर 30 लाख से अधिक हो सकते हैं।

असल में कैंसर की बीमारी से दुनियाभर में होने वाली मौतें दूसरे स्थान पर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में हैं। साल 2022 में दुनिया में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं, जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। इतना ही नहीं, भारत में सालाना बढ़ते कैंसर के मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है। कैंसर से भारत में साल 2020 में 7.70 लाख, 2021 में 7.89 लाख और 2022 में 8.08 लाख रोगियों की मौत हुई है। देश में कैंसर के मामलों की कुल संख्या साल 2022 में 14.61 लाख रही। वहीं 2021 में यह 14.26 लाख और 2020 में 13.92 लाख रही। भारत के हर 10 में से एक व्यक्ति अपने पूरे जीवनकाल में कैंसर से जूझता है और 15 में एक की मृत्यु इस बीमारी से हो जाती है। भारत में हर साल करीब 15 लाख कैंसर से जुड़े मामले रिपोर्ट किए जाते हैं।

आखिर कैंसर क्या है? असल में शरीर में होने वाली असामान्य और खतरनाक स्थिति, जिसमें कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि होती है, उसे कैंसर कहते हैं। हमारे शरीर में कोशिकाओं का लगातार विभाजन होना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिस पर शरीर का पूरा नियंत्रण रहता है, लेकिन जब किसी विशेष अंग की कोशिकाओं पर शरीर का नियंत्रण नहीं रहता है, तो वे असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं। इसे ही कैंसर कहा जाता है। ज्यादातर कैंसर ट्यूमर के रूप में होते हैं, लेकिन ब्लड कैंसर के मामले में ट्यूमर नहीं होता है। एक बात यह भी ध्यान रखने योग्य है कि हर ट्यूमर कैंसर नहीं होता है। भारत में कैंसर के प्रकार में छह तरह के कैंसर ज्यादा होते हैं, जिसमें फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, पेट का कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल है।

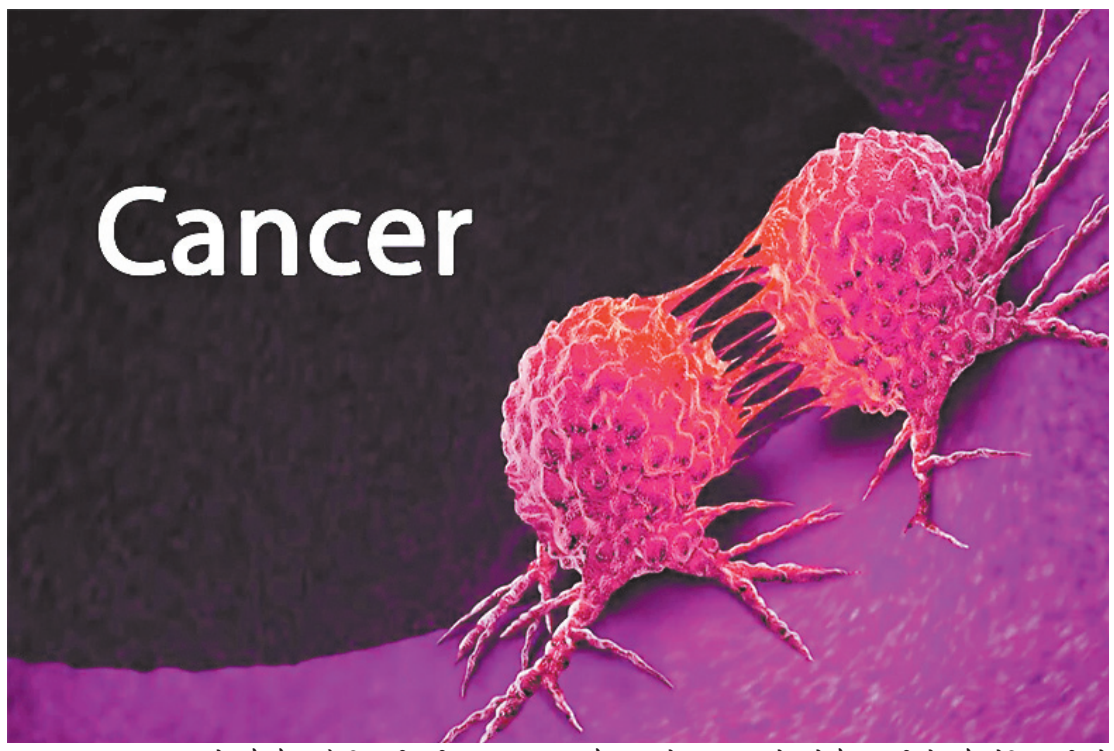

आसान शब्दों में कहें तो कैंसर शरीर में होने वाली असामान्य स्थिति है, जिसमें कोशिकाएं असाधारण रूप से बढ़ने लगती हैं और बढ़ी हुई चर्बी की एक गांठ बन जाती है, जिसे ट्यूमर कह सकते हैं। यह शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। आमतौर पर कैंसर में होने वाले ट्यूमर दो तरह के होते हैं। पहला बिनाइन ट्यूमर और दूसरा मैलिग्नैंट ट्यूमर। मैलिग्नैंट ट्यूमर शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलता है, जबकि बिनाइन नहीं फैलता है। सभी कैंसर के लक्षण उसके प्रकार और स्थान के अनुसार अलग-अलग होते हैं, लेकिन कुछ अन्य लक्षण भी हैं, जो देखे जा सकते हैं जैसे शरीर का वजन अचानक कम होना या बढ़ना, ज्यादा थकान और कमजोरी महसूस होना, त्वचा में गांठ बनना या रंग में बदलाव होना, पाचन संबंधी समस्या, कब्ज या दस्त होना, आवाज बदलना, जोड़ों-मांसपेशियों में दर्द, घाव ठीक होने में समय लगना, भूख कम लगना, लिम्फ नोड्स में सूजन आदि।

यूं तो कैंसर होने के पीछे कोई ज्ञात कारण नहीं है, लेकिन कुछ पदार्थ जिन्हें कार्सिनोजन कहा जाता है, वे प्रमुख कारणों में से एक हैं। ये कारक कैंसर होने की संभावना को बढ़ाते हैं। कैंसर के प्रमुख जोखिम कारकों में तंबाकू या उससे बने उत्पाद जैसे सिगरेट, गुटखा या चुइंगम आदि का लंबे समय तक सेवन फेफड़े या मुंह के कैंसर का कारण बन सकता है। लंबे समय तक शराब पीना लिवर कैंसर को बढ़ावा देता है। साथ ही शरीर के अन्य कई हिस्सों में कैंसर के खतरे को बढ़ावा देता है। कैंसर के लिए जीन भी एक प्रमुख कारण है। यदि परिवार में किसी को कैंसर का इतिहास है, तो इस बीमारी के होने की संभावना ज्यादा होती है। वायरस जो कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं, उनमें हेपेटाइटिस बी और सी होते हैं, जो 50 प्रतिशत तक लिवर कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। साथ ही ह्यूमन पैपिलोमा वायरस 99.9 प्रतिशत मामलों में सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। अनहेल्दी फूड्स या रिफाइंड खाद्य पदार्थ, जिनमें फाइबर की मात्रा कम होती है, वे कोलन कैंसर की संभावना को बढ़ाते हैं। बार-बार एक्स-रे करवाने के कारण भी रेडिएशन के संपर्क में आने से कैंसर होने के खतरे को बढ़ावा मिलता है।

कैंसर के ज्यादातर मामलों में ट्यूमर होता है और इन्हें गंभीरता के आधार पर चार स्टेज में बांटा गया है। पहला स्टेज 0, इस स्टेज में कैंसर नहीं होता है, लेकिन शरीर में कुछ असाधारण कोशिकाएं मौजूद हो सकती हैं, जो कभी भी कैंसर की संभावना को बढ़ा सकती हैं। दूसरा स्टेज 1, प्रथम स्टेज में कैंसर का ट्यूमर छोटा होता है। इसमें कैंसर की कोशिकाएं सिर्फ एक क्षेत्र में फैली होती हैं। तीसरा स्टेज 2 और 3, दूसरे और तीसरे स्टेज में शरीर के ट्यूमर का आकार बड़ा हो जाता है और कैंसर की कोशिकाएं अपने पास के स्थित अंगों और लिम्फ नोड्स में फैलती हैं। चौथा स्टेज 4, चौथे चरण में कैंसर अपने आखिरी स्टेज में होता है। इसे मेटास्टेटिक कैंसर भी कहा जाता है। यह स्टेज जानलेवा साबित हो सकता है। इसमें कैंसर दूसरे अंगों तक फैल चुका होता है।

कैंसर का इलाज उसके प्रकार, स्टेज और स्थान के आधार पर किया जाता है। यह डॉक्टर तय करते हैं कि कैंसर के लिए कौन सा उपचार सही है। सामान्य तौर पर कैंसर का इलाज सर्जरी, नॉन-सर्जरी, हार्मोन थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, कीमोथेरेपी और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट आदि द्वारा किया जाता है। कैंसर के इलाज में सर्जरी द्वारा कोशिकाओं के असाधारण रूप से बढ़ने वाले हिस्से को निकाल दिया जाता है। इसे बायोप्सी तकनीक द्वारा किया जाता है, जब ट्यूमर तक आसानी से पहुंचा जा सके। यदि कैंसर दूसरे हिस्सों में नहीं फैला है तो सर्जरी बेस्ट ऑप्शन है। रेडिएशन थेरेपी नॉन सर्जिकल प्रक्रिया है, जो कैंसर कोशिकाओं पर सीधा असर करती है। इसमें गामा रेडिएशन की मदद से असामान्य रूप से बढ़ रही कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी कई चरणों में की जाती है। इसमें विशेष प्रकार के ड्रग्स, दवा के जरिए बढ़ रही कैंसर कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। इम्यूनोथेरेपी इम्यून सिस्टम को कैंसर कोशिकाओं से लड़ने के लिए प्रबल बनाती है। हार्मोन थेरेपी के जरिए हार्मोन से प्रभावित कैंसर का इलाज किया जाता है। इस थेरेपी से प्रोस्टेट कैंसर और स्तन कैंसर का काफी सुधार होता है।

आखिर कैंसर से कैसे बचा जाए? कैंसर से बचने के लिए आप अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव कर हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाकर और जोखिम कारकों को कम कर कैंसर से बचाव कर सकते हैं। इनमें शराब के सेवन से बचें, धूम्रपान से बचें, फाइबर युक्त आहार का सेवन करें, ज्यादा फैट (वसा) लेने से बचें, नियमित रूप से सभी वैक्सीन लें, तनाव से बचें, बीएमआई चेक कराते रहें और हर हाल में हेल्दी जीवन-शैली को अपनाएं। वहीं थेरेपी में आ रहे सुधारों की वजह से बचपन में होने वाले कैंसर के बाद जिंदा रहने वालों की दर में बढ़ोतरी हुई है, जो अमेरिका में अब औसतन 80 प्रतिशत से ज्यादा है। वैज्ञानिक कैंसर की आनुवंशिक वजहों और कोशिकाओं के खास लक्षणों के बारे में ज्यादा जानने की कोशिश में जुटे हैं। ये खोजें कैंसर के निदान और उसके उपचार को बेहतर बनाएंगी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि शरीर में असामान्य रूप से कोशिकाओं का लगातार बढ़ना कैंसर का रूप धारण करता है। अचानक वजन बढ़ना या घटना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, गांठ आदि कैंसर के कुछ लक्षण हैं, जिनका संकेत मिलते ही सभी को डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाकर कैंसर के जोखिम से बचा जा सकता है और स्वस्थ रह सकते हैं।

व्यक्तित्व विकास के लिए समर कैम्प का हुआ शुभारम्भ

बैतूल। ग्रीष्म ऋतु में बच्चे इनडोर-आउटडोर खेल और रचनात्मक गतिविधियों के अभाव में मोबाइल का बहुत ज्यादा उपयोग करते हैं जो कि उनके शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी घातक होता है। इसे देखते हुए विकास नगर मे नटराज डांस सेंटर संस्था द्वारा में छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए ग्रीष्मकालीन समर कैम्प का शुभारम्भ बुधवार 1 मई को किया गया। इस समर कैंप के संबंध में सेंटर की संचालिका ख्याति प्राप्त प्रशिक्षक शीतल मेडम ने

बताया कि अभिभावक अपने बच्चों को अधिक मात्रा में भेज रहे है। ताकि वह गर्मी की छुटियों मे खेल के साथ-साथ बहुत सी अन्य चीजें सीखे। नटराज डांस सेंटर के मैनेजर दुर्गेश निरापुरे ने बताया कि सेंटर में बच्चों को डांस, पेंटिंग, क़ाफ्ट, संगीत, बिहेवियर, नाटक और भी बहुत सारे फन के साथ लर्निंग भी कराई जा रही है। सेंटर की सीनियर मैडम रत्नमाला खातरकर पूरा कार्य बखूबी संचालन कर रही है। समर कैंप के पहले दिन की शुरुआत सीनियर ऑडिटर बंटी वासनिक के हाथो की गई। उन्होंने बच्चों को कुछ नया सीखने की समझाइश दी और शुभकामनाएं भी दी। नटराज डांस सेंटर की सहायक शिक्षका किरण सोलंकी, प्रियंका निरापुरे, नीलम अबुलकर, स्मिता वाईकर, सरिता खातरकर भी बखूबी कार्य करते हुए अपना सहयोग दे रही है।

मजदूर दिवस

मजदूर पिता की स्मृति में 25000 रुपये की सहायता राशि दी दान

बैतूल। जो स्वयं मजदूर के घर पर पल कर बड़ा हुआ हो और जिसने अपने पिता को मजदूरी करते देखा हो, वही मजदूर के दर्द को समझ सकता है। एमपीपीएससी की तैयारी कर रहे अमरदीप के पिता स्व. विजय भालेकर मजदूर थे। उन्होंने बुधवार को मजदूर दिवस के अवसर पर अपने मित्रों के साथ मिलकर अपने पिता की स्मृति में डिजिटल बोर्ड के लिए 25 हजार रुपए की राशि भेंट की। जिले में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की नि:शुल्क तैयारी कराने वाली 'सार्थक पहल बदलाव हमसे है' संस्थान को स्व.विजय भालेकर की

स्मृति में 25000 रुपये की राशि चेक के माध्यम से प्रदान की। इस अवसर पर अमरदीप भालेकर ने बताया कि मेरे पापा मजदूर थे, और मैंने अपने पिता से ही लोगों की मदद करना सीखा। उनसे ही सीखा की स्वयं से गलती होने पर क्षमा मांगना और दूसरों से गलती होने पर माफ करना चाहिए, वे हमेशा भलाई के कार्यों में आगे रहते थे। इसी कारण आज उनकी स्मृति में डिजिटल स्मार्ट बोर्ड के लिए सार्थक पहल संस्था को 25 हजार रुपये की सहायता राशि भेंट की, जिससे जरूरतमंद छात्र तक निःशुल्क शिक्षा का प्रसार हो सके। इस सहयोग राशि मे श्रीमति फूलवती धुर्वे, इंदु खरखाटे, योगेश धुर्वे ने 5000-5000 हजार की राशि दी। जिसके लिए श्री भालेकर ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फूलवती धुर्वे ने कहा कि सार्थक पहल के माध्यम से प्रो.एसके सातनकर विगत 4 सालों से एमपीपीएससी व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराते है। हमे जैसे ही जानकारी लगी कि सार्थक पहल के छात्र-छात्राएं डिजिटल बोर्ड के लिए सहयोग राशि स्वेच्छा से जमा कर रहे इसलिए हमने स्व.विजय भालेकर की स्मृति में यह छोटी सी सहायता राशि प्रदान की। इंदु खरखाटे और योगेश धुर्वे ने बताया कि अमरदीप का सपना है कि वह उसके पिता के नाम पर विजय फाउंडेशन की स्थापना कर समाज व लोगों की भलाई कर सके। उस सपने को साकार करने के लिए हमने उनके पिता प्रथम पुण्यतिथि पर यह छोटी पहल की है। इस अवसर पर सार्थक पहल संस्थान की ओर से सरोज सातनकर ने सहयोग राशि हेतु आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शशांक मालवीय, प्रिया ओमकार,विजिया धोटे, कविता वाडबुदे, अनिल, ललित तायवाड़े, मोहित खातरकर आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हरदौली जलावर्धन योजना बनी बंटाढार योजना

कहां है 57 किलोमीटर पाइप लाइन, 10 वर्ष में 25 करोड़ खर्च, बावजूद नतीजा सिफर

अब्दुल अहमद

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर के पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए बनाई गई हरदौली जल आवर्धन योजना 10 वर्षों में लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद बंटाढार योजना बनाकर के रह गई है। आज भी नगर की पेयजल समस्या यथावत है और नगर में 2 दिन के अंतराल में चौथे दिन नगर में पेयजल आपूर्ति हो रही है। हरदौली जल आवर्धन योजना में दो घटक थे पहला हरदौली बांध और दूसरा पीएचई घटक बांध का कार्य पूर्ण हो गया है और बांध की जल संग्रह क्षमता 4.17 एमसीएम है यह क्षमता इतनी है कि अगर नगर में प्रतिदिन तीन बार पानी वितरण दीया जाय तो भी पूरे वर्ष में 2 एमसीएम पानी भी खर्च नहीं होगा। किंतु पर्याप्त पानी उपलब्धता के बावजूद पीएचई घटक में हुई बंदर बाट के चलते यह योजना अब भी अधर में लटकी हुई है ।

नगर पालिका ने जिस पाइप लाइन का भुगतान किया, वह है कहां...?

वर्तमान समय में जिस पाइपलाइन का नगर पालिका ने ठेकेदार को भुगतान किया है वह पाइपलाइन कहां है खोजना बड़ी चुनौती है। और ऐसा सिर्फ मुलताई नगर में ही हो सकता है। हमने जब उप यंत्री योगेश अनेराव से पूछा कि वर्तमान ठेकेदार द्वारा कितने किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है तो उन्होंने ठेकेदार का काम देख रहे मानव से पूछ कर बताया कि अब तक उन्होंने 32 किलोमीटर पाइपलाइन डाल दिए और पूर्व ठेकेदार लोखंडे 25 किलोमीटर लगभग पाइप लाइन बिछाने का दावा किया था। अगर यह दोनों आंकड़े सही है तो नगर में 57 किलोमीटर पाइपलाइन कहां है इसकी जानकारी नगर पालिका को भी नहीं है। नगर पालिका के कर्मचारी बताते हैं कि वर्तमान ठेकेदार ने मात्र 12 किलोमीटर पाइपलाइन डाली है तो बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अब तक पाइपलाइन का बगैर टेस्टिंग बगैर भौतिक सत्यापन के ठेकेदार को भुगतान होता रहा है यह जांच का विषय है। कहीं ऐसा तो नहीं की पुराने ठेकेदार का भुगतान भी वर्तमान ठेकेदार को कर दिया है । कुछ भी संभव है क्योंकि इस योजना की देखरेख करने वाले उपयंत्री बैतूल में रहते हैं और वह ठेकेदार के बताए अनुसार मुलताई में मेजरमेंट बुक (एमबी) लिखने ही आते हैं तो ऐसे में योजना की गुणवत्ता खोजना और भी जटिल कार्य है।

योजना की राशि खत्म होने के बाद भी नहीं मिला लाभ

लगभग 10 करोड़ की लागत का पीएचई घटक दूसरी बार लगभग 4 करोड़ 75 लाख का टेंडर योजना को पूरा करने के लिए हुआ था जिसमें से अब तक इस ठेकेदार को भी लगभग चार करोड रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अब राशि खत्म होने को है और नतीजा यह की जो योजना 52 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि के आधार पर बनाई गई थी आज वर्तमान जनसंख्या को भी पानी पिलाने के में सक्षम नहीं है। अधिकारियों ने इसे पूरा करने के लिए 2.0 योजना के तहत 7 करोड़ की सप्लीमेंट्री योजना बनाई हैं उनका कहना है कि आगामी योजना के बाद हरदोली योजना का लाभ घर-घर पहुंचेगा।

इनका कहना

चुनाव के बाद पाइपलाइन के भौतिक सत्यापन एवं जांच के लिए ई.ई. को पत्र लिखेंगे।

-आर.के.इवनाती, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नपा मुलताई

विधिक साक्षरता हर नागरिक के लिए जरूरी : जस्टिस पांडे

शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

बैतूल। शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल में मंगलवार को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विशेष न्यायाधीश (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) दिव्यांग जोशी पाण्डे ने छात्राओं को बताया कि हर नागरिक को विधि की समझ होना बहुत जरूरी है। क्योंकि तथ्य की भूल माफ हो सकती है, परंतु विधि की मूल माफ नहीं की जाती। साइबर क्राइम के अंतर्गत धोखाधड़ी से सतर्क रहने की समझाइश देते हुए उन्होंने बताया कि इंटरनेट के उपयोग में बहुत सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कानून के दुरुपयोग के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णयों के परिपेक्ष्य में बताया कि दहेज प्रताड़ना एवं अन्य प्रकरणों में कानून के दुरूपयोगों रोका गया है। भारतीय दण्ड संहिता एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार ही पुलिस एवं न्यायपालिका कार्य करती है।

शिविर में उपस्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट रत्नेश पाल ने घरेलू हिंसा अधिनियम की जानकारी देते हुए बताया कि किसी महिला के साथ हो रही हिंसा की शिकायत कोई अन्य व्यक्ति भी कर सकते है। न्यायिक मजिस्ट्रेट नयन जैन ने बताया कि राइट टू एजुकेशन के तहत सभी को 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त शिक्षा का अधिकार मिला हुआ है। जिला विधिक सहायता अधिकारी सोमनाथ राय ने जिला विधिक प्राधिकरण एवं उसके अंतर्गत तहसील स्तर पर भी विधिक प्राधिकरण के कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कोई भी कम आयु वर्ग का व्यक्ति निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते है। विशेष रूप से महिलाओं को निःशुल्क परामर्श की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने लीगल वालंटियर योजना, लोक अदालत आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए कानूनी मदद की

आवश्यकता होने पर विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जा रही निःशुल्क सहायता का लाभ उठाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का संचालन संस्था की विनिता पाटील प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पैरालीगल वालेंटियर चंद्रप्रभा चौकीकर, संस्था प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी दिलीप कुमार सोनी, पुष्पा नागले, विनीता पाटील, विवेक दायमा, राघवेन्द्र सिंह ठाकुर, रामनारायण गंगारे, सचिन सरले, संदीप धुर्वे रितिका ठाकुर सहित सभी स्टाफ जन एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

गेहूं उपार्जन अवधि में 20 मई 2024 तक की गई वृद्धि

बैतूल। बैतूल में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 20 मई तक की जाएगी। यह अवधि पूर्व में 7 मई तक निर्धारित थी। लोकसभा निर्वाचन की मतदान तिथि में हुए परिवर्तन के दृष्टिगत बैतूल जिले में गेहूं उत्पादक किसानों को समर्थन मूल्य योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु यह 7 मई से बढ़ाकर 20 मई 2024 तक की गई है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने सभी किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ लेने के लिए अपनी उपज गेहूं विक्रय करने हेतु बढ़ाई गई समायावधि 20 मई 2024 तक स्लॉट बुक करवाने की अपील की है।

मतदान के लिए दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों के लिए होगी परिवहन सुविधाः कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

स्थानीय भाषा में पीले चावल के साथ होगा मतदान हेतु आमंत्रण पत्रों का वितरण

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अनुक्रम में मतदान दिवस एवं मतदान पर्व की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन ने अधिक से अधिक मतदान के लिए विधानसभा वार तैयारियों की ऑनलाइन समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने कहा कि बीएलओ एवं बैग के सदस्य यह सुनिश्चित करें कि मतदाता पर्चियों के साथ स्थानीय भाषा में तैयार आमंत्रण पत्र का वितरण पीले चावल के साथ मतदाताओं को शत प्रतिशत वितरित करेंगे साथ ही मतदाताओं से अनुरोध करेंगे कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 13 परिचय पत्रों में से कोई एक परिचय पत्र लेकर ही मतदान करने जायें।

मतदान पर्व, महोत्सव के रूप में- कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को गूगल मीट के माध्यम से स्वीप नोडल अधिकारी अक्षत जैन ने कहा कि बैतूल जिले में 90 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखे। मतदान पर्व को मतदान महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। मतदान दलों का ढोल-नगाड़े के साथ स्वागत करें एवं गैर राजनीतिक रैली का आयोजन किया जाएगा। बुधवार को चले बूथ की ओर अभियान के अंतर्गत स्वीप के तहत मतदाता को प्रोत्साहित एवं आकर्षित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

प्रवासी मतदाताओं को मतदान हेतु निमंत्रण- संसदीय क्षेत्र के बाहर कार्यरत ऐसे मतदाता जो अपने मतदान क्षेत्र से दूर है को दूरभाष एवं मोबाइल पर 7 मई को मतदान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इनमें ऐसे मतदाता शामिल है जो काम-धंधे, पढ़ाई, विवाह समारोह आदि के कारण मतदान केन्द्र से दूर है, को मतदान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही मतदान के संबंध में स्वच्छता वाहनों के माध्यम से ऑडियो के रूप में मतदान दिवस एवं समय को उद्घोषणा के रूप में प्रसारित किया जाएगा। दीवार लेखन के माध्यम से 7 मई को प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान किए जाने का उल्लेख किया जाएगा।

मूलभूत सुविधाओं का रखें ध्यान

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि रोज बदलते मौसम को देखते हुए गर्मी की स्थिति में मतदान दलों के रहने, भोजन व्यवस्था एवं शौचालय तथा साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था करें। भीषण गर्मी की स्थिति में मतदाताओं को पेयजल एवं शरबत आदि की व्यवस्था की जाए। बैग सदस्यों द्वारा यह प्रयास किया जाए कि मतदाता सुबह 7 बजे से 12 बजे के पूर्व अधिक से अधिक मतदान कर सकें। शासकीय कर्मचारी अपने परिवार सहित 100 प्रतिशत मतदान करें।

ऐतिहासिक रहा भैंसदेही में मालवीय निवास शिवाय के दादा जी का अखंड संकीर्तन 'इक्का'

बैतूल। हमारे इस सनातनी देश में अमूमन ज्यादातर क्षेत्रीयता के अनुरूप धार्मिक आयोजन होते है। जिसमे कुछ कार्यक्रम आयोजनकर्ताओं के समर्पण भावना के कारण या फिर उसमे हिस्सा लेने वालों के गहरे आस्था और भक्तिभाव के चलते ऐतिहासिक रूप ले लेता है। कुछ इसी तरह का उदाहरण भैंसदेही के मालवीय मोहल्ला में मालवीय परिवार के निवास शिवाय में आयोजित दादाजी के अखंड संकीर्तन इक्का के अभूतपूर्व आयोजन में देखने को मिला, जो की ऐतिहासिक और यादगार रहा। यह अखंड संकीर्तन इक्का को पंडित संजय जोशी और उनके बेटे निखिल जोशी ने पूरे विधिविधान से संपन्न कराया ।

आयोजक मालवीय बंधुओं राजेश, बृजेश और संदीप मालवीय के अनुसार यह वृहद आयोजन पिता स्वर्गीय श्रीराम मालवीय और माताजी स्वर्गीय शकुंतला मालवीय की प्रेरणा से काफी समय पूर्व निर्धारित था । लेकिन धूनी वाले दादाजी की दिव्य शक्ति कहे कि हाल ही में अखंड संकीर्तन इक्का कराने की पृष्ठभूमि बनी। फिर देखते ही देखते व्यवस्था बनती गई । इस वृहद व अभूतपूर्व आयोजन में कुछ समय पूर्व सेंट्रल रेलवे

इटारसी से डिप्टी एस.एस. पद से सेवानिवृत्त हुए मालवीय परिवार के बड़े बेटे राजेश मालवीय के बारे में यह कहना सटीक होगा कि वो चले थे अकेला, परंतु कारवां बढ़ता चला गया। आयोजन की तैयारी पूरा होते ही 26 अप्रैल को मालवीय निवास शिवाय में दादाजी का आगमन हुआ। इसके साथ ही 27 अप्रैल को अलसुबह से पूजा-पाठ का दौर शुरू हो गया और दोपहर 12 बजे से अखंड संकीर्तन इक्का -भज लो दादाजी का नाम भजलो हरिहरजी का नाम- का पाठ प्रारंभ हुआ, जो की पूरे 48 घंटे तक अनवरत चला। जिसमे बड़ी संख्या में भैंसदेही नगर सहित आसपास इलाके से दादाजी के भक्त शामिल हुए। तत्पश्चात 28 अप्रैल को दोपहर 12 बजे महाआरती शुरू हुआ, जो कि लगभग दो घंटे तक चला। गौरतलब है कि 26 अप्रैल से 28 अप्रैल तक तीनों दिन भक्तों और अतिथियों के लिए भोजन प्रसादी का दौर चलता रहा। इसके बाद चौथे दिन 29 अप्रैल को रात्रि 8 बजे श्रद्धा भक्ति भाव के साथ दादाजी की प्रतिमाओं को उनके यथास्थान पंडित संजय जोशी के निवास पर पहुंचाया गया। इस दौरान जहां रास्ते में भज लो दादाजी का नाम भज लो हरिहरजी का नाम का पाठ किया गया वही आतिशबाजी भी हुआ। पंडित श्री जोशी ने बताया कि उनके निवास में दादाजी का स्थापना उनके पिता अन्नारावजी महाराज ने की थी तब से वे पिता के विरासत को कंधो पर लेकर चल रहे है ।

मालवीय निवास में 30 साल पहले भी हो चुका इक्का- मालवीय बंधुओं ने बताया कि उनके निवास कैम्पस में 30 साल पहले अखंड संकीर्तन इक्का पाठ का आयोजन हो चुका है । अब 3 दशक के लम्बे अंतराल के बाद फिर से दादाजी का इक्का हुआ है। बताया गया है कि धूनी वाले दादाजी का खंडवा से लेकर पूरा नर्मदांचल प्रभाव क्षेत्र में आता है जहां उनके भक्तों को मनोवांछित लाभ मिलते है ।

रोमांचित करता निखिल का शंख वादन- मालवीय निवास शिवाय में अखंड संकीर्तन इक्का पाठ के दौरान पांच बार महाआरती हुआ, जिसमे पंडित संजय जोशी के बैंक कर्मी बेटे निखिल जोशी इस आयोजन को यादगार बनाने में सहयोग किया, जिसमे खासतौर से महाआरती में शामिल धर्मप्रेमियों को उनका शंख वादन हर बार रोमांचित किया है।

वन विद्यालय में चल रही थी बिना अनुमति के बैठक

कांग्रेसी पहुंचे तो अधिकारी उठकर चले गए

बैतूल। वन विद्यालय में बुधवार एक बैठक चल रही थी। इसकी जानकारी कांग्रेसियों को मिली तो जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, कांग्रेस नेता धीरू शर्मा, राजा सोनी, सफराज खान सहित अन्य कांग्रेस नेता वन विद्यालय पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों से बैठक के संबंध में जानकारी ली। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने बताया कि यह बैठक बिना अनुमति के चल रही थी। जब उन्होंने अधिकारियों को आचार संहिता का हवाला दिया और बताया कि कोई भी बैठक जिला निर्वाचन अधिकारी की अनुमति के बिना नहीं हो सकती है तो अधिकारियों ने भी निर्वाचन से जुड़ अधिकारियों को फोन किया और जब उन्हें इस बात की जानकारी मिली कि बैठक के लिए अनुमति लेनी थी और नहीं ली।

वैसे ही बैठक में शामिल अधिकारी उठकर चले गए। बताया जा रहा है कि यह बैठक तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2024 की रणनीति निर्धारण एवं अन्य लघु वन उपज संग्रहण हेतु परिचर्चा बैठक के रूप में आयोजित की गई थी। कांग्रेस नेताओं के पहुंचने के बाद बैठक खत्म हो गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने लगाया आरोप- कांग्रेस जिलाध्यक्ष का आरोप है कि इस तरफ बिना अनुमति की बैठक संदेहास्पद होती है इसकी जांच कर कार्यवाही की जानी चाहिए। श्री वागद्रे का यह भी कहना है कि उन्होंने मौके से ही अधिकारियों को फोन लगाए थे लेकिन फोन रिसीव नहीं हुए।

इनका कहना है

विभागीय बैठक में कोई प्रतिबंध नही है । आचार संहिता में कोई नया काम,नई घोषणा,नए वितरण नहीं हो सकते।

- नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, कलेक्टर बैतूल

पुस्तक मेले का आयोजन 8 मई को

नरसिंहपुर। राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार व कलेक्टर के मार्गदर्शन में पुस्तक मेले का आयोजन 8 मई को एमएलबी स्कूल नरसिंहपुर में किया जायेगा। इस संबंध में बुधवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान- डाइट नरसिंहपुर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एचपी कुर्मी, एडीपीसी रमसा श्री अनिल व्योहार, समस्त विकासखंड के सहायक संचालक, शिक्षा विकासखंड अधिकारी और जिले के शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख मौजूद थे।एपीसी श्री यजुवेंद्र सिलावट ने मेले के आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुस्तक मेले का यह उद्देश्य है कि नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में क्रय किये जाने वाले पुस्तकें, यूनिफार्म, कॉपी, स्टेशनरी आदि उचित मूल्य पर सुलभ हो। प्रत्येक जिले में एक उपयुक्त स्थान पर तीन दिवसीय पुस्तक मेला यथाशीघ्र आयोजित किया जाये। मेले में पुस्तकों के प्रकाशकों, स्थानीय पुस्तक एवं स्टेशनरी विक्रेताओं सह शैक्षणिक सामग्री तथा यूनिफार्म विक्रेताओं को आमंत्रित किया जाये। पुस्तक मेले में उपरोक्त सामग्रियों की उपलब्धता के बारे में अभिभावकों एवं छात्रों को सूचित किया जाये। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के लिए वर्तमान में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। अतः इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

सीएम राइज में समर कैंप प्रारंभ

● रुचि अनुसार छात्र- छात्राओं द्वारा की जा रही सहभागिता

नरसिंहपुर। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के निर्देशन में जिले के सीएम राइज एसडीएम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त प्रतिभा को पहचान कर उनकी रूचि को निखारने के लिए विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन शाला स्तर पर एक मई से 15 मई तक प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। समर कैम्प में गत वर्ष के अनुभव के आधार पर कुछ नये विचारों के साथ एक्सपीरियंशल कैम्प एवं एक्सप्लोरर कैम्प के अंतर्गत गतिविधयों का संचालन किया जा रहा है।जिला शिक्षा अधिकारी श्री एचपी कुर्मी ने विद्यालय स्तर पर निरीक्षण कर आयोजित गतिविधियों का जायजा लिया। इस 12 दिवसीय समर कैंप की गतिविधियों के क्रियान्वयन, रजिस्ट्रेशन एवं पालक सहमति पत्र, प्राचार्य द्वारा गतिविधियों की मॉनिटरिंग व समर कैंप के समापन समारोह संबंधी आवश्यक निर्देश दिये।समर कैम्प में प्राचार्य श्री प्रभात मिश्रा ने बताया कि समर कैम्प में छात्र- छात्राओं द्वारा म्यूजिक, डांस, मधुबनी एवं शिल्पकला, थियेटर, केलीग्राफी- सुलेख की गतिविधियां आयोजित की जा रहीं हैं।

मजदूर दिवस पर निकाला जुलूस

मजदूर विरोधी सरकार को पराजित करने का आव्हान

भोपाल । मज़दूर दिवस के अवसर पर 1 मई को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, एटक और सम्बद्ध श्रमिक संगठनों ने जुलूस निकालकर कर सारी दुनिया के मेहनतकशों के साथ अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया।इस अवसर पर भाकपा नेताओं ने फासीवादी प्रवृत्तियों की सरकार के कारण श्रमिक संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्रों पर गहराते संकटों का उल्लेख किया। भाकपा नेता शैलेन्द्र शैली,सत्यम पांडे, एटक के प्रांतीय अध्यक्ष शिवशंकर मौर्य और हम्मालों के नेता मुन्ने खां, मेहफूज अल्तमश ने इस लोकसभा चुनावों में फासीवादी प्रवृत्तियों की मजदूर विरोधी सरकार को अपने वोट के माध्यम से सत्ता से हटाने का आव्हान किया। 'इंकलाब ज़िंदाबाद', 'मज़दूर दिवस ज़िंदाबाद' के नारेबाजी के साथ

यह जुलूस जनकपुरी जुमेराती से शुरू होकर मंगलवारा, इतवारा, बुधवार,कोतवाली,मारवाड़ी रोड से होकर वापस जनकपुरी जाकर समाप्त हुआ। जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत हुआ। ट्रांसपोर्ट हम्माल मजदूर सभा के कार्यालय इतवारा में सभा आयोजित की गई। विभिन्न स्थानों पर लाल झंडियां लगाकर सजावट की गई।जुलूस के समापन पर लगभग 500 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर भाकपा और श्रमिक संगठनों के नेता इब्राहिम खान,नवाब उद्दीन, पप्पू योगी, अजीज पहलवान, सईद खां, नवाब भाई ,दीपक कल्लू खान, सरवन कुमार, एस एस शाक्य,शेर सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रमिक साथी शामिल हुए।

मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल होगा

धार। लोकसभा का चुनाव कराने नियुक्त मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों को अपने-अपने मतदान केन्द्र में वास्तविक मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल (दिखावटी मतदान) कराना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मॉक पोल में कम से कम 50 मतों का होना चाहिए और इसे उम्मीदवारों के मतदान अभिकर्ताओं की मौजूदगी में कराना चाहिए। पीठासीन अधिकारी को मॉक पोल के परिणामों से मतदान अभिकर्ताओं को अवगत कराना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक पीठासीन अधिकारी मतदान प्रारंभ होने के डेढ़ घंटे पूर्व मॉक पोल (दिखावटी मतदान) करायेंगे। मॉक पोल प्रारम्भ करते समय कम से कम दो अभ्यर्थियों के मतदान अभिकर्त्ता उपस्थित रहना चाहिये। यदि मॉक पोल के समय कोई भी मतदान अभिकर्ता उपस्थित न हो, ऐसी स्थिति में पीठासीन अधिकारी अधिक से अधिक 15 मिनट मॉक पोल शुरू करने के लिये प्रतीक्षा कर सकता है, और यदि तब भी कोई मतदान अभिकर्त्ता नहीं आते हैं तो पीठासीन अधिकारी मॉक पोल शुरू कर सकते हैं। मॉक पोल में यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान कोष्ठ में सभी अभ्यर्थियों के लिए मत डाले गये हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार मॉक पोल (दिखावटी मतदान) प्रारंभ करने के पहले ईव्हीएम की बैलेट यूनिट तथा वीपेट को मतदान प्रकोष्ठ में रखना होगा, जबकि ईव्हीएम की कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी अथवा उस मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा, जो बैलट यूनिट और व्हीव्हीपेट मशीन सही प्रकार से जोड़ने के बाद कंट्रोल यूनिट का इस्तेमाल करेगा। मॉक पोल में डाले गये मतों का अभिलेख पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी को रखना होगा। मॉक पोल की व्हीव्हीपेट की पर्चियों को भी इनके पीछे के भाग में मॉक पोल पर्ची की रबर सील लगानी होगी और इन पर्चियों को मोटे काले कागज के लिफाफे में रखकर पीठासीन अधिकारी की सील से मुहरबन्द और हस्ताक्षर कर सुरक्षित रखना होगा।

मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारी से अवगत कराया जाए

कलेक्टर एसपी पहुँचे कुक्षी, प्रशिक्षण का किया अवलोकन

धार। जिले में लोकसभा निर्वाचन- 2024 में मतदान को व्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए मतदान दलों में नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी को 3 मई तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुक्षी विधानसभा में मतदान दलों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का व्यय प्रेक्षक मोहम्मद शमशाद आलम,कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और एसपी मनोज कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रमोद गुर्जर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। समूचे ज़िले में लगभग दस हज़ार शासकीय सेवकों को ट्रेनिंग दी जा रही है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में यह ट्रेनिंग 3 मई तक जारी रहेगी।

इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन का कार्य हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें। सभी मतदान अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी दिशा- निर्देशों का पालन करें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर ने मतदान दलों को मतदान की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।उन्हें मतदान की प्रक्रिया के प्रारंभ में दिखावटी मतदान से लेकर मतदान समाप्ति तक की प्रक्रिया के अलावा मतदान सामग्री को सील करना, विभिन्न घोषणाएं जैसे मतदान के प्रारंभ की घोषणा, मतदान के

समाप्ति की घोषणा के संबंध में समझाया गया। मतदान केंद्र से 100 व 200 मीटर के क्षेत्र में अनुशासन बनाए रखना आदि के संबंध में समझाया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रशिक्षण दे रहे मास्टर ट्रेनर्सों एवं मतदान कर्मियों से मतदान प्रक्रिया, ईव्हीएम मशीनों को चालू, बंद करने एवं माकपोल करने के बाद वास्तविक मतदान करने के लिए ईव्हीएम मशीनों को कैसे तैयार करना है, डाक मतपत्र एवं ईडीसी जारी करने की प्रक्रिया की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मतदान कर्मियों से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान ईव्हीएम या व्हीव्हीपीएटी मशीनों के संबंध में अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करे जिससे मतदान दिवस के दिन किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भलीभांति से अध्ययन कर लें। मतदान प्रक्रिया के संबंध में किसी भी तरह की जिज्ञासा अथवा शंका हो तो उसका समाधान अभी कर ले।प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारी-अधिकारियों में ईव्हीएम मशीन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। साथ ही प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों-कर्मचारियों को इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के संचालन का अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण में आये अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा निर्वाचन संबंधी सवाल किये गये, जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा संतुष्टिपूर्ण जबाव दिया तथा उनकी निर्वाचन को लेकर जिज्ञासाओं का समाधान किया। अधिकारी-कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारी से अवगत रहने का महत्व समझाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन संबंधी गूगल लिंक के माध्यम से ऑनलाईन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा उत्साह से भाग लिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्वाचन संबंधी दायित्वों से अवगत कराया गया। मतदान प्रक्रिया को बिना किसी दवाब, प्रभाव के पूर्ण निष्ठा,निष्पक्षता, ईमानदारी, जिम्मेदारी के साथ भयमुक्त होकर सम्पन्न कराने की समझाईश दी गयी। अधिकारियों-कर्मचारियों से अपेक्षा की गयी कि वे निर्वाचन संबंधी कार्य पूर्ण निष्ठा से निभाये।

17 मई को धार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर भाजपा कार्यालय में बैठक हुई

भाजपा प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार ने व्यवस्था टोली बैठक को संबोधित किया

धार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धार - महु लोकसभा क्षेत्र में 7 मई को एक विशाल जनसभा को धार पीजी कॉलेज ग्राउंड में संबोधित करेंगे। आमसभा तैयारी को लेकर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, इंदौर संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम जिला भाजपा कार्यालय में व्यवस्था टोली बैठक में शामिल हुए तथा हेलीपैड व सभा स्थल का जायजा लिया। बैठक को भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी धार विधायक नीना वर्मा ने भी संबोधित किया। कविता पाटीदार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 मई को धार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे जिसमें धार लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभा क्षेत्र एवं झाबुआ जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के लाखों भाजपा कार्यकर्ता धार पहुंचेंगे और मोदीजी को सुनेंगे। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की सभा में जितनी संख्या का हम लक्ष्य ले रहे है यह लक्ष्य शत प्रतिशत पूरा हो यही हमारा दायित्व है। हर कार्य का एक प्रभारी तय करना है । बैठक में प्रमुख रूप से लोकसभा प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू , जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ ,विष्णु प्रसाद शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, संजय मुकाती, मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश अग्रवाल, भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय, नरेश राजपुरोहित, अनिल जैन बाबा, संजय वैष्णव, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, दीपक सिंह रघुवंशी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जयसूर्या अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा सहित मोदी जी की सभा को लेकर बनी टोली व्यवस्था के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन विपिन राठौर व आभार नितेश अग्रवाल ने माना।

5 अपराधी जिला बदर

धार। जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने विभिन्न अपराधिक गतिविधियों में संलग्न होने पर जिले के 5 अपराधियों को 3-3 माह की कालावधि के लिये जिला बदर किये जाने के निष्कासन आदेश जारी किये है। इनमें इलियास उर्फ राजा पिता जलाल निवासी ग्राम रामनगर केसुर थाना सादलपुर जिला धार, मनोज पिता मांगीलाल वसुनिया निवासी ग्राम खडी थाना सादलपुर जिला धार, नरेन्द्र पिता भगवानसिंह लोधा निवासी ग्राम खडी थाना सादलपुर जिला धार, इंदरसिंह पिता जामसिंह निवासी ग्राम रामपुरा माण्डव थाना माण्डव जिला धार एवं घोटिया उर्फ छोटू उर्फ दिलीप पिता दिनेश निवासी ग्राम गाताअवार सिरसोदिया थाना धामनोद जिला धार को 3-3 माह की कालावधि के लिए धार जिला एवं उससे लगे सीमावृत्ति जिले इन्दौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन एवं अलिराजपुर की राजस्व सीमाओं से बाहर चले जाने का निष्कासन आदेश जारी किया है।

उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र और आत्महत्या पर दी गई अनुकंपा नियुक्तियों की जांच के लिए मजदूर संघ ने खाता खोला..

नर्मदापुरम। अनुकंपा नियुक्ति के मामले में पीढ़ी दर पीढ़ी सहित, एक ही परिवार मे पांच पांच अनुकंपा नियुक्तियां, केन्द्र सरकार, मध्यप्रदेश शासन, नगरपालिका में पदस्थ परिवार में दी गई है, इसके अलावा आत्महत्या पर दी गई अनुकंपा नियुक्ति में भी शासनादेश अनुकंपा नियमावली का पालन नहीं किया गया है ईमानदारी पूर्वक इसकी अगर जांच कि जावे तो अस्सी प्रतिशत अनुकंपा नियुक्तियां गलत तरीके से देकर आश्रितों को पद स्थापना दी गई है। जिसमें घोटाला व भ्रष्टाचार किया गया है इसकी जांच के लिए नगरपालिका कर्मचारी मजदूर संघ ने खाता खोल दिया संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा के इस कथन पर कि मजदूर संघ इसे लेकर सरकार को पत्र लिखेगा इससे नगरपालिका में हड़कंप मच गया। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि नगरपालिका की सूचना शाखा में ही आत्महत्या व चाचा का आश्रित मानकर अनुकंपा नियुक्ति पर पदस्थापना दी गई..? इसके दस्तावेज मांगे गए हैं लेकिन स्थापना शाखा प्रभारी के रूप में पदस्थ महिला कर्मचारी लिपिक का मामला ही उसके पति की अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ा हुआ बताया। जिसमें कार्यालय कलेक्टर से वर्ष 2005 में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी किया गया था उसके आधार पर चाचा का आश्रित मानकर भतीजे को चपरासी के पद पर यहां अनुकंपा नियुक्ति दी गई, इसे लेकर श्री वर्मा का सवाल उठाते है। कार्यालय कलेक्टर से उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने के पूर्व क्या स्वर्गीय कर्मचारी का उसकी पत्नी से तलाक हो गया था या स्वर्गीय कि पत्नी ने भतीजे को अनुकंपा दी जावे ऐसा सहमति पत्र दिया है कि वह नौकरी करना नहीं चाहती उसके स्थान पर भतीजे को अनुकंपा का लाभ दिया जावे, क्या

भतीजे ने अपनी चाची को लिखित दिया है कि वह उनकी जीवन भर देखभाल करेगा, क्या चाचा ने अपनी जीवित अवस्था में भतीजे को कब कितने वर्ष कि आयु में गोदनामा लिया है। जिनके जवाब मध्यप्रदेश शासन, कार्यालय कलेक्टर और नगरपालिका से लेना है कि जारी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र पर चपरासी कि पद स्थापना दी गई उस अनुकंपा नियुक्ति में न्याय संगत कार्यवाही कि गई जाना जा सके। श्री वर्मा कहते हैं कि फिर स्वर्गीय कर्मचारी जो नगरपालिका में चपरासी के पद पर पदस्थ थे, उनकी पत्नी को उत्तराधिकारी से वंचित क्यों रखा गया अनुकंपा नहीं दी गई न किसी भी प्रकार कि राशि का भुगतान नहीं किया गया विधवा पत्नी को मिलने वाली पारिवारिक जीविका पेंशन से भी वंचित रखा गया। पत्नी के स्थान पर परिवार के जिस व्यक्ति को उत्तराधिकारी घोषित किया गया था उसको भी यह अनुकंपा नियुक्ति न देकर तीसरे को चाचा का आश्रित मानकर अनुकंपा नियुक्ति पर पद स्थापना दी गई क्यों..? इनकी जांच होगी तो कारनामे सामने आयेंगे फिर आत्महत्या पर और अन्य अनुकंपा नियुक्ति में किये गये भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के साथ चुनाव में जुटे सोहागपुर विधानसभा के चुनाव प्रत्याशी पुष्पराजसिंह पटैल

सुबह सवेरे सोहागपुर । यह कहावत कालांतर से चली आ रही है कि गांव का जोगी अन्य गांव का सिद्ध ऐसा ही सोहागपुर विधानसभा के जुझारू किसान एवं कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटैल पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के राजगढ़ लोकसभा चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। उल्लेखनीय है कि इस बार सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में गुजर एकता के कारण कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराजसिंह पटैल मामूली अंतर से पराजित हो गए थे। लेकिन उन्होंने क्षेत्र में समाज की एकता पर लगातार प्रयत्न रहकर कार्य

करते रहे। अब आप राजगढ़ लोकसभा चुनाव क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के चुनाव क्षेत्र में अपने समाज के गुर्जर समाज के मतदाताओं को कांग्रेस के लिए बदलाव करने का प्रयास विगत दिनों से कर रहे हैं। श्री पटैल की बातों का वहां के गुर्जर समाज पर असर पड़ा रहा है। उल्लेखनीय है कि राजगढ़ लोकसभा चुनाव क्षेत्र में करीबन 20से अधिक ग्राम गुर्जर बाहुल्य वाले हैं। ज्ञातव्य है कि श्री पटैल के साथ ओपी पटैल, ग्राम भौखेडी सरपंच राधेलाल पटैल एवं देवीराम चौधरी साथ हैं। उक्त आश्रय की जानकारी नाती भैया पटैल भौखेडी ने सुबह सवेरे संवाददाता को दी।

जिला प्राधिकरण द्वारा विश्व श्रम दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

नरसिंहपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोषी के निर्देषानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 01 मई विष्व श्रम दिवस के अवसर पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिको के लिए जागरूकता एवं साक्षरता षिविर का आयोजन श्रमिक बस्ती मुषरान वन में किया गया। कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वैभव सक्सेना एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेष सक्सेना द्वारा जिला

प्राधिकरण द्वारा असंगठित क्षेत्र के मजदूरो को जॉब कार्ड व श्रम कार्ड के लाभ बताये, साथ ही निःषुल्क विधिक सहायता योजना व अन्य कल्याणकारी योजनाओ के संबंध में क्षेत्र के श्रमिको को लाभ प्राप्त करने हेतु जागरूक किया। श्रम दिवस पर जिला प्राधिकरण द्वारा सुभाष पार्क चैराहा में हुये अन्य कार्यक्रम में श्रम विभाग के सहयोग पीएलव्ही द्वारा श्रमिको एवं लघु व्यवसयियो के मध्य श्रमिक स्टॉलो में जागरूकता का प्रचार-प्रसार सुनिष्चित किया। उक्त कार्यक्रम श्रम निरीक्षक श्री ऋषि पटैल, पैरालीगल वॉलेन्टियर श्री गनेष कुषवाहा, दीपचंद सोनी, कु.अर्चना यादव, कु. हेमलता साहू सहित विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपसिथत रहे।

उज्जैन के आश्रम में 19 बच्चों से कुकर्म

- आचार्य और सेवादार के खिलाफ एफआईआर, आरोपी ने 7 महीने पहले की थी रेप पीड़ित की मदद

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के दंडी आश्रम के आचार्य और सेवादार पर बच्चों का यौन शोषण का आरोप लगा है। दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आश्रम में पढ़ने वाले 19 बच्चों ने इनके खिलाफ शिकायत की। महाकाल थाने में मंगलवार देर रात 12.30 बजे एफआईआर दर्ज की गई। आश्रम के संचालक ने पुलिस बुलाकर आचार्य को गिरफ्तार कराया। सेवादार फरार है। शहर के बड़नगर रोड स्थित दंडी आश्रम 30 साल पुराना है। यहां तीन किशोरों का यौन शोषण होने की जानकारी सामने आई। इस पर पेरेंट्स ने मंगलवार शाम को बैठक की। इस बैठक में पीड़ित किशोरों की संख्या तीन से बढ़कर 19 हो गई।

अभिभावकों ने की बैठक, बच्चों ने बताई करतूत

आश्रम संचालक गजानंद सरस्वती ने बताया कि चैत्र की नवरात्र के समय कुछ पेरेंट्स ने सेवादार अजय ठाकुर की शिकायत की थी। उसे बाहर निकाल दिया था। शिकायत करने वाले बच्चे एक के बाद एक सामने आने लगे। इसके बाद पेरेंट्स ने वॉट्सऐप पर ग्रुप बनाकर 30 अप्रैल को सभी से आश्रम आने को कहा।

मंगलवार को हुई बैठक में 20 से अधिक बच्चों के पेरेंट्स आए थे। इनके बच्चों ने सेवादार अजय की शिकायत की थी। बैठक में एक-एककर बच्चों को बुलाकर अजय के बारे में जानकारी ली, लेकिन इसी दौरान एक बच्चे ने रोते हुए आचार्य राहुल शर्मा का नाम भी लिया। इसके बाद बच्चों के माता-पिता और भड़क गए।

राजगढ़, मंदसौर और देवास जिले के किशोरों ने पुलिस को बताया कि पिछले कई दिन से अजय ठाकुर और राहुल शर्मा उनका यौन शोषण कर रहे थे। दोनों उन्हें अपने कमरे में बुलाते थे। एडिशनल एसपी जयंत राठौर ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। अजय फरार है।

आश्रम में 5वीं से 12वीं तक के 80 बच्चे हैं। सभी आश्रम में रहकर संस्कृत कर्मकांड ज्योतिष संगीत वेद का अध्ययन करते हैं। पीड़ित बच्चों की उम्र 11 से 15 साल तक है।

बता दें, आरोपी आचार्य राहुल शर्मा ने करीब 7 महीने पहले एक रेप पीड़ित की मदद की थी। खून से सनी 12 साल की बच्ची आधे-अधूरे कपड़ों में ढाई घंटे से भटक रही थी। राहुल ने उसे खाना खिलाकर महाकाल थाने में सूचना दी थी।

चलें बूथ की ओर कैम्पेन में बोले सीईओ

वोटर लिस्ट में नाम हो तो कोई ऐसा सरकारी कागज लेकर जाएं जिसमें आपका फोटो हो

भोपाल (नप्र)। विदिशा के विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बिलकिसगंज, मतदान केंद्र क्र. 107 में ट्रेक्टर रैली को हरी झंडी दिखाकर 'चलें बूथ की ओर' अभियान का शुभारंभ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में है, उनके लिए यह सूचना है कि कोई भी एक ऐसा सरकारी कागज लेकर जाइए जिसमें आपका फोटो हो। मतदान केंद्रों में ऐसा इंतजाम किया गया है कि बहुत देर तक इंतजार न करना पड़े। पोलिंग सेंटर में एक्स्ट्रा स्टाफ लगाया गया है ताकि जल्द मतदान कराया जा सके।

सीईओ राजन बुधवार को सात मई को नौ लोकसभा सीट पर होने वाले मतदान के लिए चलें बूथ की ओर अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए सीहोर जिले के एक मतदान केंद्र पर पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्थानीय जनों द्वारा जितना अच्छा स्वागत सत्कार किया गया, वह उत्साह और उमंग मतदान के दिन वोट डालने के लिए भी बनी रहनी चाहिए। राजन ने कहा कि सभी ध्यान रखें कि ट्रेक्टर रैली के माध्यम से यहां आने तक जिस तरह का उत्साह और उमंग देखने को मिली वैसी ही मतदान के दिन भी रहे ताकि मतदान में जिले के अव्वल बनाए रखने में सबका सहयोग मिल सके।

विदिशा में ट्रैक्टर रैली निकाली मतदाताओं ने- सीईओ राजन ने मतदाता जागरुकता को लेकर चलें बूथ अभियान के अंतर्गत विदिशा विधानसभा के बिलकिसगंज में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए। विदिशा विधानसभा में आने वाला बिलकिसगंज सीहोर जिले में आता है। यहां सीईओ राजन ने मतदान केंद्र क्रमांक 107 के लिए ट्रेक्टर रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही विदिशा के विधानसभा क्षेत्र क्र.158 अंतर्गत ग्राम पंचायत कांकर खेड़ा में मोटर साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर चलें बूथ की ओर' अभियान का शुभारंभ किया गया। सीईओ राजन के अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में पदस्थ संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी स्तर के अधिकारी भी नौ लोकसभा क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम वोटिंग के लिए मतदाताओं को प्रोत्साहित करने पहुंचे। सात मई को मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, राजगढ़, भोपाल और बैतूल लोकसभा सीट के 20456 मतदान केंद्रों पर मतदान होना है।

सीईओ, कलेक्टर, एसपी ने दिलाई शपथ

सीहोर जिले में कार्यक्रम के दौरान मतदान केंद्र में जुटे सैकड़ों नागरिकों को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन, कलेक्टर प्रवीण सिंह अधयक, एसपी ने शपथ दिलाई कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ण, जाति, भाषा या अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मतदान करेंगे। बाद में सीईओ ने कहा कि आसपास के गांवों के लोगों के बीच भी अधिकतम वोटिंग का मैसेज पहुंचाया जाना है।

साइबर फ्रॉड में पुलिस लाचार

कॉल डिटेल मिलने से पहले ठग बदल लेते हैं नंबर, खाते की जानकारी मिलने तक देश से बाहर पहुंच जाता है पैसा

भोपाल (नप्र)। ऑनलाइन फ्रॉड का ग्राफ साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। इन जालसाजों को पकड़ना पुलिस के लिए भी खासा मुश्किल होता है, क्योंकि ये दूसरे प्रदेश या देश में बैठकर वारदात को अंजाम देते हैं। बैंकों और टेलीकॉम कंपनियों से भी पुलिस को समय पर जानकारी और सहयोग नहीं मिलता है। तब तक जालसाजों द्वारा ठगी की राशि खातों से निकाल ली जाती है या फिर कई खातों में ट्रांसफर हो जाती है। उसके आगे ये पैसे क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से भारत के बाहर भेज दिए जाते हैं।

क्रिप्टो करेंसी के अकाउंट्स, वॉलेट की जानकारी या तो मिल ही नहीं पाती या मिलती भी है तो उसमें 10-15 दिन लग जाते हैं। इससे पैसा रिफंड हो पाना संभव नहीं रहता। वर्ष 2022 में ऑनलाइन ठगी की साइबर पुलिस को 5496 शिकायतें मिलीं, जिस पर 67 एफआईआर दर्ज की गईं। वहीं, वहीं वर्ष 2023 में 5894 शिकायत मिलीं, 48 प्रकरण दर्ज किए गए।

जांच के दौरान ये बड़ी दिक्कतें

1. फ्रॉड में प्रयुक्त मोबाइल नंबर की डिटेल लेने में ही 24 घंटे लग जाते हैं।

2. सिम और बैंक खाते जालसाजों के नहीं, दूसरों के नाम पर होते हैं।

साइबर सेल में फोर्स की कमी भी बड़ी दिक्कत- साइबर पुलिस के सामने सबसे बड़ी दिक्कत अपराधियों तक पहुंचना होता है। घटना के बाद टेलीकॉम कंपनी फ्रॉड में प्रयुक्त होने वाले मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल देने में 18-24 घंटे का समय लेती हैं। तब तक ठग नंबर बंद कर अपनी लोकेशन बदल चुके होते हैं। जिस नाम पर मोबाइल सिम जारी होते हैं वो किसी और व्यक्ति का होता है।

जिन बैंक खातों में ग्राहकों के पैसे ट्रांसफर होते हैं वे भी अन्य व्यक्ति के नाम पर होते हैं। एक समस्या यह भी है कि आईटी एक्ट में सब इंस्पेक्टर को विवेचना अधिकारी नहीं बना सकते। जबकि जांच में सबसे अधिक योगदान वही देते हैं। साइबर सेल में फोर्स की कमी भी बड़ी दिक्कत है।

आईटी एक्ट की धाराएं जमानती

साइबर के जानकार कहते हैं कि आईटी एक्ट की ज्यादातर धाराएं जमानती हैं जो जांच और छापेमारी में बाधा डालती हैं। ऐसी कई एफआईआर कोर्ट में जाकर समझौते में खत्म हो जाती हैं। नए अपराधों को आईटी अधिनियम के तहत परिभाषित किया जाना चाहिए, जिनमें लोन एप फर्जीवाड़ा, ऑनलाइन कट्टरपंथ, हिंसा भड़काना, ऑनलाइन जुआ आदि शामिल हैं।

ऑनलाइन फ्रॉड के नए तरीके

- बैंक अकाउंट ब्लॉक के नाम पर।
- बिजली कटौती के नाम पर फ्रॉड।
- लोन अप्रूव होने के नाम पर फ्रॉड।
- लकी ड्रॉ के नाम पर फ्रॉड।
- सेकंड हैंड चीजे बेचने के नाम पर फ्रॉड।
- यूपीआई के नाम पर फ्रॉड।
- आपके रिलेटिव्स बनकर फ्रॉड।
- ऑनलाइन जॉब / पार्ट टाइम जॉब के नाम पर ठगी। ● फ्लिपकार्ट, अमेजन इत्यादि पर ऐड्रेस वेरीफिकेशन के नाम पर ठगी।
- ट्विटर/फेसबुक पर ब्लू टिक देने के नाम पर ठगी

पुलिस के बैंकों को सुझाव

● खाता खोलने के लिए फिजिकल और बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन अनिवार्य होना चाहिए। ● रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर खाताधारक के नाम पर ही हो। ● ट्रांजेक्शन के दौरान खाताधारक को मैसेज भेजा जाना चाहिए कि आपके द्वारा क्या राशि का ट्रांजेक्शन किया गया है, यदि नहीं तो उक्त ट्रांजेक्शन को रिवर्ट करना चाहिए।

नर्मदापुरम में नर्मदा ब्रिज पर ट्रक ने मां-बेटे को कुचला

- 3 माह के नवजात की मौत, मां के दोनों पैर फेक्कर

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में बुधनी भोपाल रोड नर्मदा ब्रिज पर एक ट्रक ने मां और बेटे को कुचल दिया। दुर्घटना में 3 माह के नवजात की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। महिला के दोनों पैर फेक्कर हो गए। हादसा देख लोगों की रुह कांप गई। महिला को उपचार के लिए नर्मदापुरम के नर्मदा अस्पताल लाया गया। नवजात शिशु के शव को बुधनी पुलिस पंचनामा बनाकर बुधनी ले गई। घायल महिला ज्योति मौर्य पति कुनाल मौर्य (28) निवासी बंगाली कालोनी नर्मदापुरम है। महिला के पिता नर्मदाप्रसाद बुधनी में फायर ब्रिगेड के ड्राइवर है। नर्मदा प्रसाद ने बताया बुधवार दोपहर करीब 2:00 बजे अपनी बेटी को बुधनी से बंगाली कालोनी नर्मदापुरम छोड़ने आ रहे थे। नर्मदा ब्रिज पर एक ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। जिसके बाद मैं और बाइक एक तरफ गिर गए। बेटी और नाती दोनों सड़क के दूसरी ओर गिरे। जिससे ट्रक का पहिया महिला के दोनों पैर से निकल गया। नवजात बेटे के सिर पर भी चोट लगी। नवजात की उम्र 3 माह है। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला का नर्मदा अस्पताल में उपचार जारी है। बुधनी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीसरे चरण के लिए पार्टियों की रणनीति

भाजपा ने पार्षद से लेकर विधायक तक सबको दिया 50-50 वोट का टारगेट

भोपाल (नप्र)। तीसरे चरण के मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए भाजपा में बूथ अध्यक्ष और पार्षद से लेकर विधायक तक हर जनप्रतिनिधि को कम से कम 50 वोट डलवाने का टारगेट दिया जा रहा है। पार्टी कार्यालय से पन्ना प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, पार्षद व पंचायत प्रतिनिधियों को फोन किए जा रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायकों से बात कर रहे हैं। पार्टी ने विधायकों को अपने क्षेत्र में विधानसभा चुनाव की तर्ज पर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे लोगों से संपर्क का भी टारगेट दिया है।

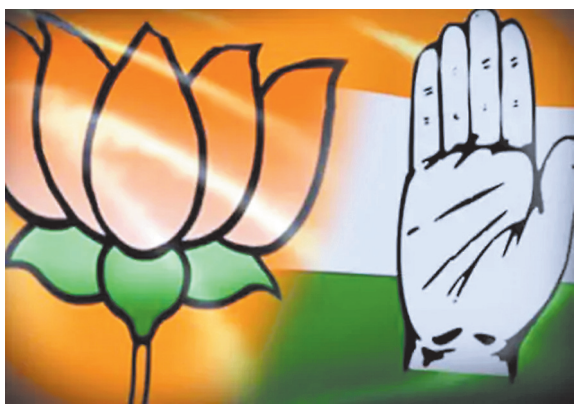

विधायकों की क्षेत्र में सक्रियता पर नजर रखने के लिए उनकी सोशल मीडिया प्रोफाइल भी चेक हो रही है। पार्टी 70 से अधिक उम्र के बुजुर्गों से आयुष्मान योजना के फॉर्म भरवा रही है। फीडबैक आया है कि बुजुर्गों ने कम मतदान किया। इसके अलावा बुजुर्ग वोट डालने जाएंगे तो स्वाभाविक रूप से पूरा परिवार वोटिंग करेगा।

राहुल-प्रियंका के तूफानी दौरे, हर सीट की अलग रणनीति- कांग्रेस तीसरे चरण में ज्यादा मजबूती से मैदान में नजर आ रही है। राहुल गांधी ने मंगलवार को भिंड में सभा को संबोधित किया। प्रियंका गांधी 2 मई को मुरैना आ रहीं हैं। 5 मई को तीसरे चरण का प्रचार समाप्त हो जाएगा लेकिन राहुल चौथे चरणों की सीटों पर सभा करेंगे। वे 6 को झाबुआ और 7 को बड़वानी में रहेंगे। इसके अलावा, हर सीट के जातिगत समीकरण के अनुसार कमराबंद बैठकें चल रहीं हैं। इन बैठकों में पूर्व मंत्री से लेकर विधायक और प्रत्याशी या उनके करीबी मौजूद रहते हैं। ग्वालियर-चंबल में पार्टी आक्रामक प्रचार की रणनीति पर काम कर रही है, तो मध्य और मालवा क्षेत्र में खामोशी से प्रत्याशी और कांग्रेस नेता अलग-अलग समाजों और समूहों के बीच संपर्क कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रचार में उतरीं उमा भारती

शिवपुरी में सिंधिया के लिए की सभा

उमा ने कहा कि राम आ गए है, अब राम राज्य भी आए

शिवपुरी (नप्र)। लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रचार के दौरान नजर आईं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने गुना लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में सभा की। उमा भारती पिछोर विधानसभा क्षेत्र में अयोजित सभा में कहा कि राम आ गए है, अब राम राज्य भी आए। इसके लिए आगे की लड़ाई बहुत बड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदीजी मुझे हमेशा दीदी कहकर बुलाते हैं, बहुत सम्मान देते हैं और लोगों को लगता है कि पार्टी में मेरा सम्मान नहीं है। अफवाह फैलाते हैं कि मोदी जी से नाराज होकर हिमालय चली गई हूं।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के दौरान उमा भारती टीकमगढ़ लोकसभा सीट के लिए 26 अप्रैल को हुए मतदान में गृहनगर में वोट डालने के दौरान ही नजर आई थीं। बुधवार को पिछोर की सभा में भी उन्होंने कहा कि मैं हिमालय पर साधना में थी, मेरे लाड़ले भतीजे सिंधिया का फोन आया, तो मैं यहां आई।

दादी राजमाता विजराराजे सिंधिया के समय के प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पराजित करने की शक्ति जनसंघ को राजमाता ने ही दी थी। उस समय ज्योतिरादित्य के बचपन काल से ही मैं उन्हें ललचाई नजरों से देखती थी, कि यह बीजेपी में आएं। हमारे देश में बहुत अच्छे-अच्छे लोग भाजपा में आ गए हैं। पानी कहीं भी बसरे, लेकिन वह तालाब की तरफ जाता है। उसे पता होता है कि उसका सही स्थान तालाब है। इसी तरह जो अच्छे-अच्छे लोग हैं वह भाजपा की ओर आ रहे हैं।

मोदी जी को बहुत समय देना पड़ेगा- उन्होंने कहा कि यह देश जल्दी ठीक नहीं होने वाला है। मोदीजी को बहुत समय देना पड़ेगा। समस्याओं की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह समस्याएं मुगल काल, अंग्रेज काल से हैं। शुरू के दौर में जो कांग्रेस नेता आए उनके अंदर मुगलों और अंग्रेजों वाले गुण थे और यह परेशानियां अब देश भुगत रहा है।

इसे ठीक करने के लिए भाजपा को केंद्र में 25-30 साल चाहिए शासन में रहने के लिए। अब अमीर-गरीब का अंतर मिटने लगा है। लोग पूछते हैं कि मोदीजी की सबसे बड़ी देन क्या है? उनकी सबसे बड़ी देन है कि उनने हमें भारतीय होने का गर्व प्रदान किया है।

मुझसे गलतियां हुई हैं- उमा भारती ने इस दौरान यह भी स्वीकार किया कि उनसे कई गलतियां हुई हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में हूं पर राजनीति की समझ नहीं है। कुछ बातों में मैं नहीं मानती हूं।

तिरंगा का मामला आया तो अटलजी और आडवाणीजी की नहीं मानी। मैंने कहा मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दूंगी। गंगा की बात आई तो कहा चुनाव नहीं लड़ूंगी। लेकिन, जो काम कर रही होती हूं वह देश के लिए होता है।

गैंगरेप कर नाबालिग को नदी में फेंका, मौत

- 3 दिन पहले दोस्ती की, मिलने बुलाकर दोस्त से भी दुष्कर्म कराया

सागर (नप्र)। सागर की देहार नदी में मृत मिली 13 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप हुआ था। ज्यादा खून बहने की वजह से बच्ची बेहोश गई। मरा समझकर आरोपी उसे नदी में फेंक आए थे। पुलिस ने मंगलवार को तीन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इनमें से एक मददगार है। पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया है।

बच्ची बिलहरा से 20 अप्रैल को लापता हुई थी। परिजन ने बिलहरा चौकी में गुमशुदगी दर्ज कराई। दो दिन बाद 23 अप्रैल को रानगिर की देहार नदी में उसका शव उतराता मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसके साथ दुष्कर्म और पानी में डूबने से मौत की बात सामने आई है। मुख्य आरोपी से बच्ची की दोस्ती घटना से तीन दिन पहले ही हुई थी। आरोपियों को उनके घर से ही पकड़ा गया है। दीपक पटेल ने बच्ची को रानगिर तक बाइक से छोड़ा था। इसीलिए पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया है।

19 की रात आए कॉल से पुलिस को मिली लीड

20 अप्रैल को शिकायत मिलने के बाद बिलहरा पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू की। वह मोबाइल नहीं रखती थी। पुलिस ने परिवार के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई। 19 अप्रैल की रात आए एक कॉल पर संदेह हुआ। इस नंबर की लोकेशन रानगिर में मिली। पुलिस रानगिर में उस युवक तक पहुंच गई, जिसके नंबर से कॉल आया था। पूछताछ में उसने बताया कि उसकी सैलून की दुकान है। रोजाना लोग आते-जाते हैं। लड़की भी आई होगी। उसे नहीं पता कि लड़की कहां गई।

सीसीटीवी में परिचित के साथ बाइक पर दिखी लड़की

युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने रानगिर मेले में लगी दुकानों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। बच्ची दीपक पटेल (25) के साथ बाइक पर बैठी दिखी। पुलिस ने उसे बिलहरा से हिरासत में ले लिया। इस बीच बच्ची का शव देहार नदी में उतराता मिला।

दीपक ने पुलिस को बताया कि वह बच्ची के मोहल्ले में ही रहता है। उसने रानगिर जाने का बोला तो ले गया था। रानगिर में वह बाइक से उतरकर चली गई थी। पुलिस ने 25 से ज्यादा लोगों के बयान लिए। पता चला कि बच्ची सैलून पर गई थी। 19 अप्रैल की रात जिस युवक से बात हुई थी, सैलून उसी का है। पुलिस ने सैलून से श्याम मिलन (19) निवासी पाटई को उठाया। थाने लाकर पूछताछ की तो उसने अपने एक और साथी अक्षय सेन (19) का नाम बताया।

मिलने बुलाकर बीहर नदी ले गया

बिलहरा पुलिस चौकी प्रभारी अभिषेक पटेल के मुताबिक, आरोपी श्याम ने पूछताछ में बताया कि बच्ची से उसकी पहचान चैत्र नवरात्र के मेले में हुई थी। 17 अप्रैल को बच्ची परिवार के साथ रानगिर मेले में आई थी। एक-दूसरे को मोबाइल नंबर दिए थे।